E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 100 | प्रयागराज, शुक्रवार 26 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

वेनेजुएला में 126 साल के सबसे बड़े 7.5 तीव्रता के भूकंप से 10 हजार मौतों की आशंका

कराकस। वेनेजुएला में बुधवार शाम, यानी भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह दो शक्तिशाली भूकंप आए। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे (यूएस जीएस) के मुताबिक, इसमें 10,000 से ज्यादा लोगों की मौत की 44फीसदी और 1,00,000 से ज्यादा मौत की 30फीसदी आशंका है। पहले 7.2 और फिर कुछ ही सेकेंड बाद 7.5 तीव्रता का भूकंप आया। दोनों भूकंप राजधानी कराकस से करीब 290 किलोमीटर पश्चिम में आए। कराकस समेत कई शहरों में इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया। हालांकि अभी तक सरकार ने मौत के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार कराकस एयरपोर्ट की छत का कुछ हिस्सा गिर गया। इससे धूल का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया। यह पिछले 126 साल का सबसे बड़ा भूकंप है, इससे पहले 1900 में 7.7 का तीव्रता का भूकंप आया था। पीएम मोदी बोले- वेनेजुएला की हरसंभव मदद को तैयार भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप पर गहरा दुख जताया है। मोदी ने एक्स पर लिखा कि भारत इस मुश्किल समय में वेनेजुएला के लोगों के साथ खड़ा है और जरूरत पड़ने पर हरसंभव सहायता देने के लिए तैयार है। ट्रम्प बोले- वेनेजुएला की हरसंभव मदद करेंगे-'वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राहत सहायता का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका हरसंभव मदद के लिए तैयार है और सभी सरकारी एजेंसियों को तेजी से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। 'ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा-'अमेरिका मदद के लिए पूरी तरह तैयार, इच्छुक और सक्षम है। मैंने अपनी सरकार की सभी एजेंसियों को तुरंत तैयारी करने का निर्देश दिया है। हम अपने नए और अच्छे दोस्तों के साथ खड़े रहेंगे। शुरुआती रिपोर्ट अच्छी नहीं हैं।'भूकंप से मरने वालों की संख्या 164 हुई:-आधुनिक समाचार में खबर लिखे जाने तक भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 164 हो गई है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने बताया कि हादसे में अब तक 700 लोग घायल हुए हैं।अभी संख्या बढ़ने की आशंका हैं। वेनेजुएला में भूकंप के बाद गैस सप्लाई रोकी:-भूकंप के बाद सरकार ने प्रभावित इलाकों में गैस सप्लाई अस्थायी रूप से बंद कर दी है। गृह मंत्री डियोसदादो काबेलो ने कहा कि कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। गैस रिसाव या विस्फोट जैसी घटनाओं से बचने के लिए एहतियातन यह फैसला लिया गया है।

खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए पीएम मोदी को न्योता,2 करोड़ लोग जनाजे में शामिल हो सकते हैं, 4 तारीख़ से शुरू होंगे समारोह

तेहरान/नई दिल्ली। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्व सुप्रीम

लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का न्योता भेजा है। अयातुल्ला खामेनेई की 28 फरवरी को इजराइल-अमेरिका के हमले में मौत हो गई थी। इसके बाद 4 मार्च को उनका अंतिम संस्कार होना था लेकिन जंग की वजह से इसे टाल दिया गया था। अब इसकी शुरुआत 4 जुलाई से होगी। उनके शव को तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला परिसर में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद 9 जुलाई को मशहद स्थित इमाम रजा दरगाह में दफन किया जाएगा। अधिकारियों को उम्मीद है कि तेहरान, कुम और मशहद में होने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रमों में करीब 2 करोड़ लोग शामिल हो सकते हैं। मोदी का ईरान जाने पर सस्पेंस-ईरान ने अंतिम संस्कार समारोह के लिए दुनिया के कई देशों को निमंत्रण भेजा है। खास तौर पर पड़ोसी और मित्र देशों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे या नहीं। भारत सरकार ने अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। ऐसे में भारत की ओर से कौन इस समारोह में शामिल होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी की मई 2024 में हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मौत के बाद भी भारत ने उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल तेहरान भेजा था। उस समय भारत सरकार ने एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया था। तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए तेहरान पहुंचे थे और अंतिम संस्कार समारोह में शामिल हुए थे। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

सिंधी समाज बोला-200 किलो चांदी चंपत राय को दी थी, पर रसीद अब तक नहीं मिली, राम मंदिर में लगनी थीं शिलाएं

अयोध्या। अयोध्या मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में रोज नए आरोप लग रहे हैं। अब मुंबई के विश्व सिंधी सेवा संगम ने आरोप

लगाया है कि 200 किलो चांदी दान करने की रसीद आज तक नहीं मिली। न ही ये बताया गया कि चांदी का इस्तेमाल कहां हुआ? इसके अलावा एक महिला ने काकभुशुंडि (कौवे के रूप में एक ऋषि) की चांदी की मूर्ति दान करने की रसीद नहीं देने के आरोप लगाए हैं। दोनों ने मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के हाथ में दान की चांदी सौंपी थी। उधर, परिसर में बने शेषावतार मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम में 23 जून (मंगलवार) को चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव सक्रिय दिखाई दिए। इसके बाद चर्चा तेज हो गई है कि चढ़ावा चोरी मामले में तीनों को क्लीनचिट मिलने वाली है। विश्व सिंधी सेवा संगम के चेयरमैन डॉ. राजू मनवानी ने भास्कर को दिए एक इंटरविव में बताया- मंदिर निर्माण के समय पूरी दुनिया चंदा दे रही थी। सिंधी समाज ने भी 20-25 किलो चांदी दान करने का तय किया। लेकिन, 15 से ज्यादा देशों में रह रहे सिंधी समाज के 200 लोग एक-एक किलो चांदी की शिला देने के लिए तैयार हो गए। 200 किलो चांदी की शिला इकट्ठी करने के बाद हमने चंपत राय से संपर्क किया। उन्होंने शिलाएं लेकर हमें अयोध्या बुलाया। समाज के 200 लोग 26 जनवरी, 2021 को शिलाओं के साथ अयोध्या पहुंचे। शिलाओं के पूजन के बाद उन्हें चंपत राय के हवाले किया गया। डॉ. राजू मनवानी ने बताया- सभी शिलाओं पर भगवान झूलेलाल और दूसरे देवताओं के चित्र थे।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

दावा-स्विट्जरलैंड में पाक आर्मी चीफ को मारने का प्लान था,पीस डील में शामिल होने गए थे

बर्न। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने स्विट्जरलैंड में ईरान शांति वार्ता के दौरान पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर और उनके डेलिगेशन की हत्या की साजिश रची थी। यह दावा ब्राजील के पत्रकार पेपे एस्कोबार ने एक पॉडकास्ट में किया है। पत्रकार के दावे के मुताबिक पाकिस्तानी अधिकारियों को जब ये बात पता चली तो उन्होंने धमकी दी जिसके बाद इजराइल को अपना प्लान बदलना पड़ा। यह दावा उस समय से जुड़ा है जब पाकिस्तान और कतर के प्रतिनिधिमंडल स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक रिजॉर्ट में मौजूद थे। वहीं ईरान और अमेरिका के बीच पश्चिम एशिया के संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत का पहला दौर पूरा हुआ था। दावा-पाकिस्तान ने इजराइल को धमकी भरा मैसेज भेजा:-पॉडकास्ट के दौरान पॉलिटिकल कमेंटेटर मारियो नॉफल के पॉडकास्ट में एस्कोबार ने कहा कि पाकिस्तानी सेना को बेहद विश्वसनीय जानकारी मिली थी कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश पर मोसाद हमला करने की तैयारी कर रहा है। एस्कोबार ने दावा किया कि अमेरिका और

ईरान के बीच बातचीत में इजराइल को जगह नहीं मिली, इसलिए वह इस प्रक्रिया से खुश नहीं था। उनका यह भी कहना है कि लेबनान में इजराइल के सैन्य अभियान ने शांति समझौते की राह और मुश्किल बना दी। एस्कोबार ने आगे कहा इस साजिश की जानकारी मिलने के बाद पाकिस्तान ने इजराइल को चेतावनी भी भेजी थी। उनके मुताबिक यह मैसेज शायद ओमान के जरिए पहुंचाया गया था। इसमें पाकिस्तान की ओर से कहा गया कि अगर पाकिस्तानी डेलिगेशन को कुछ हुआ तो इजराइल को नक्शे से मिटा दिया जाएगा। हालांकि यह दावा सामने आते ही पाकिस्तान की ओर से इसे खारिज कर दिया गया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने साजिश से इनकार किया:-एआरवाई न्यूज के चेयरमैन कमरान खान ने एक वरिष्ठ पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारी के हवाले से कहा कि यह आरोप पूरी तरह बकवास और निरर्थक है। अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असिम मुनीर का पूरा स्विट्जरलैंड दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार और बिना किसी परेशानी के पूरा हुआ।अधिकारी के मुताबिक दौरे के दौरान किसी भी समय कोई सुरक्षा अलर्ट जारी नहीं किया गया था। न स्विट्जरलैंड की सुरक्षा एजेंसियों ने और न ही अमेरिकी सुरक्षा टीमों ने किसी संभावित खतरे को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने यह भी कहा कि लूसर्न में प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख की सुरक्षा व्यवस्था पूरे समय सामान्य और पूरी तरह सक्रिय रही। किसी तरह की हत्या की साजिश या सुरक्षा खतरे की कोई जानकारी नहीं मिली थी। उन्होंने इसे काल्पनिक कहानी बताया। पाकिस्तान आज भी इजराइल को देश नहीं मानता:-इजराइल और पाकिस्तान लंबे समय से एक-दूसरे को विरोधी मानते रहे हैं। दोनों देशों के बीच कोई रणनीतिक साझेदारी नहीं है। पाकिस्तान आज भी इजराइल को एक देश के रूप में मान्यता नहीं देता। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने क्षेत्रीय युद्धविराम प्रयासों पर चर्चा के दौरान इजराइल की तीखी आलोचना की थी।

ट्रम्प ने संसद से रु8 लाख करोड़ की फंडिंग मांगी, बोले- ईरान जंग पर हुए खर्चों की भरपाई के लिए लगेगी, संसद इसके खिलाफ

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने अमेरिकी संसद से 87.6 अरब डॉलर यानी करीब 8.3 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त फंडिंग मंजूर करने की मांग की है। इसका बड़ा हिस्सा ईरान युद्ध से जुड़े खर्चों के लिए रखा गया है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह रकम पिछले साल मंजूर किए गए करीब 1 ट्रिलियन डॉलर और अगले वित्तीय वर्ष के लिए मांगे गए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट से अलग है। सरकार का कहना है कि यह पैसा युद्ध से जुड़े ऑपरेशन, सेना की तैयारी, हथियारों के भंडार को फिर से भरने और सीक्रेट रक्षा कार्यक्रमों पर खर्च किया जाएगा। वहीं, संसद में इस मांग का विरोध बढ़ रहा है। मंगलवार को सीनेट ने एक प्रस्ताव पारित कर ट्रम्प से ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने को कहा। इससे पहले ऐसा ही प्रस्ताव लोअर हाउस भी पास कर चुकी है। चार रिपब्लिकन सांसदों ने भी डेमोक्रेट्स का साथ दिया। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. कच्चा तेल 70 डॉलर से नीचे आया: अमेरिकी कच्चे तेल (डब्लूटीआई) की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई। ब्रेंट क्रूड भी गिरकर 73.50 डॉलर पर पहुंच गया, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार को राहत मिली है। 2. तेल कंपनियों को ट्रम्प की धमकी: ट्रम्प ने अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट को तेल कंपनियों की जांच के निर्देश दिए। उनका आरोप है कि कच्चे तेल के दाम घटने के बावजूद कंपनियां

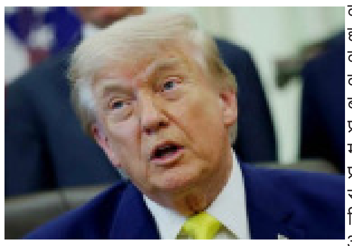

ग्राहकों को राहत नहीं दे रहीं। 3. खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए मोदी को न्योता: ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का निमंत्रण भेजा है। 4. ट्रम्प ने तेल कंपनियों पर जांच बैठाई: ट्रम्प ने अमेरिकी न्याय विभाग को तेल कंपनियों की जांच के निर्देश दिए। उनका आरोप है कि कच्चे तेल के दाम घटने के बावजूद कंपनियां ग्राहकों को राहत नहीं दे रहीं। 5. ईरान-आईए ईए में परमाणु जांच पर मतभेद: आईएईए का कहना है कि उसे ईरान के परमाणु ठिकानों की जांच का अधिकार मिलेगा, जबकि ईरान ने कहा है कि किसी भी निरीक्षण पर फैसला अंतिम समझौते और प्रतिबंध हटने के बाद होगा। ईरान-अमेरिका बातचीत में 'विवाद सुलझाने 4 कमेटी बनीं:- 1 हाई लेवल कमेटी:- यह कमेटी पूरी बातचीत की प्रक्रिया और मध्यस्थता प्रयासों की राजनीतिक निगरानी करेगी। अमेरिका की ओर से जेडी वेंस और ईरान की ओर से मोहम्मद बगेर गालिबाफ जैसे मुख्य वार्ताकार इसी समिति को रिपोर्ट करेंगे। कमेटी ने 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है। 2 लीड वर्किंग ग्रुप्स:-इसमें अमेरिका, ईरान और मध्यस्थ देशों के परमाणु एक्सपर्ट्स, आर्थिक सलाहकार, ऊर्जा विशेषज्ञ, राजनयिक और प्रतिबंध मामलों के जानकार अधिकारी शामिल होंगे। अलग-अलग वर्किंग ग्रुप अलग-अलग विषयों पर काम करेंगे। इनका काम मुश्किल मुद्दों पर तकनीकी सहमति बनाना, मसौदे तैयार करना और उन्हें अंतिम मंजूरी के लिए हाई लेवल कमेटी के पास भेजना होगा।अमेरिकी सैनिकों और उनके परिवारों ने आरोप लगाया है कि अमेरिका की सेना और पेंटागन ने ईरान के खिलाफ हुए युद्ध में लगी चोटों को कम करके बताया है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, एक मामले में एक सैनिक को ऐसा झटका लगा जिसमें उसे कंशन (सिर में चोट), सुनने और देखने की क्षमता में कमी और फेफड़ों को नुकसान हुआ, लेकिन उसकी हालत को 'गंभीर नहीं' बताया गया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस युद्ध में कम से कम 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई। हालांकि अमेरिकी सेना ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उन्होंने किसी भी तरह से सैनिकों की चोटों को कम करके नहीं दिखाया है। 3 मॉनिटरिंग एंड डिस्प्यूट रेजोल्यूशन ग्रुप:- यह समूह देखेगा कि समझौते में तय की गई बातों को दोनों पक्ष सही तरीके से लागू कर रहे हैं या नहीं। अगर समझौते के किसी मुद्दे पर अमेरिका और ईरान के बीच मतभेद या विवाद पैदा होता है, तो उसे सुलझाने की कोशिश भी यही समूह करेगा। डी-कॉन्फ्लिक्शन एंड रिस्क रिडक्शन सेल:- यह सुरक्षा और सैन्य मामलों के विशेषज्ञों की एक छोटी टीम होगी।

बिल गेट्स का दावा- एपस्टीन ने ब्लैकमेल करने की कोशिश की

वॉशिंगटन। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने का ट्रांसक्रिप्ट मंगलवार को सार्वजनिक किया गया। यह की कोशिश की। गेट्स ने दो वयस्क रूसी महिलाओं के साथ

अमेरिकी कांग्रेस के समक्ष गवाही में दावा किया है कि दिवंगत वित्त कारोबारी और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने उनके विवाहेतर संबंधों से जुड़ी जानकारी के आधार पर उन्हें ब्लैकमेल करने की कोशिश की थी। गेट्स ने कहा कि एपस्टीन उन्हें दोबारा अपने संपर्क में लाना चाहता था, लेकिन उसका प्रयास सफल नहीं हुआ।

अमेरिकी हाउस ओवरसाइट कमेटी के समक्ष 10 जून को हुई बंद-दरवाजा गवाही पूछताछ एपस्टीन के नेटवर्क और प्रभावशाली लोगों से उसके संबंधों की जांच का हिस्सा थी।

गेट्स ने स्वीकार किया कि 2008 में यौन अपराध से जुड़ी सजा मिलने के बावजूद उन्होंने 2011 में एपस्टीन से संपर्क किया था। उन्होंने बताया कि 2014 में एपस्टीन से संबंध खत्म कर लिए गए।

इसके बाद एपस्टीन ने उनकी निजी जिंदगी से जुड़ी संवेदनशील जानकारी का इस्तेमाल कर उन पर दबाव बनाने विवाहेतर संबंध होने की बात स्वीकार की, लेकिन कहा कि उनका एपस्टीन के किसी आपराधिक नेटवर्क से कोई संबंध नहीं था।उन्होंने एसटीडी, ड्रग्स और महिलाओं से मिलवाने से जुड़े आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि एपस्टीन ने कभी उनके लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की।

गेट्स ने यह भी कहा कि वे कभी एपस्टीन के निजी द्वीप, रैंच या फ्लोरिडा स्थित घर नहीं गए।

दुबई में 23 वर्षीय इन्फ्लुएंसर ब्रूक जॉर्ज पर ब्रिटिश युवक की हत्या का आरोप

दोहा। दुबई में 23 वर्षीय ब्रिटिश सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ब्रूक जॉर्ज पर एक ब्रिटिश नागरिक की

हत्या का आरोप लगाया गया है। मृतक से उनकी पहचान फेसबुक के जरिए हुई थी। बचाव पक्ष का कहना है कि युवती ने कथित हमले के बाद आत्मरक्षा में कार्रवाई की थी। मामले में जांच और न्यायिक प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों की ओर से अभी तक आरोपों पर कोई अंतिम फैसला नहीं आया है। यदि आरोपी इन्फ्लुएंसर पर दोष सिद्ध होता है तो उसे फायरिंग स्क्वॉड के माध्यम मौत की सजा मिलने की आशंका है। रिपोर्ट के अनुसार, ब्रूक की पहचान 26 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक से फेसबुक के जरिए हुई थी। फिर वह दुबई गईं। ब्रूक का कहना है कि पहली यात्रा अच्छी रही, लेकिन दूसरी बार दुबई पहुंचने पर युवक का व्यवहार काफी बदल गया और वह कथित तौर पर आक्रामक तथा नियंत्रित करने वाला हो गया। परिवार के मुताबिक, घटना वाले दिन दोनों एक बार गए थे। इसके बाद युवक ने कथित रूप से कार और बाद में अपार्टमेंट में ब्रूक के साथ मारपीट की। परिवार का दावा है कि युवती ने दोस्तों की मदद से ब्रिटेन लौटने की व्यवस्था कर ली थी और वह केवल अपना पासपोर्ट लेने के लिए अपार्टमेंट वापस गई थीं। ब्रूक के अनुसार, वहां फिर से उन पर हमला किया गया। उनका कहना है कि इसी दौरान उन्होंने आत्मरक्षा में पास में मौजूद रसोई के चाकू का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट के मुताबिक, 22 जून को दुबई एयरपोर्ट से यूएई छोड़ने की कोशिश के दौरान पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। बाद में उन पर हत्या का आरोप लगाया गया। मानवाधिकार संगठन 'डिटेन्ड इन दुबई' की मुख्य कार्यकारी अधिकारी राधा स्टर्लिंग ने कहा कि मामले की जांच के दौरान ब्रूक जॉर्ज को घरेलू हिंसा की संभावित पीड़िता के रूप में देखा जाना चाहिए। फिलहाल ब्रूक जॉर्ज को जेल में रखा गया है। संगठन ने उनकी जमानत पर रिहाई की मांग की है।

दिल्ली रेप/मर्डर

दावा- आरोपी नपुंसक निकला, रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई, बोला- रेप की कोशिश की पर कर नहीं सका फिर मर्डर किया

नयी दिल्ली। दिल्ली में 11 साल की बच्ची के रेप-मर्डर को लेकर नया दावा किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी कैब ड्राइवर इरेक्टाइल डिस्फंक्शन, यानी शारीरिक संबंध बनाने में दिक्कत आने से पीड़ित था। उसकी नपुंसकता रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। आरोपी ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उसने गाड़ी की पिछली सीट पर बच्ची के साथ रेप करने की कोशिश की। लेकिन इरेक्टाइल डिस्फंक्शन के कारण वह ऐसा नहीं कर सका। आरोपी ने कहा कि उसने बच्ची को शोर मचाने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी और फिर उसे फरीदाबाद-गुरुग्राम सीमा के पास एक सुनसान जंगली इलाके में ले गया। जहां उसकी हत्या कर दी और शव को पत्थरों के ढेर के नीचे छिपा दिया। आरोपी बच्ची को गाड़ी में 12 किमी तक घुमाता रहा:-पांच लोगों का परिवार फुटपाथ पर एक कतार में सो रहा था, जिसमें बच्ची अपनी मां, मौसी, भाई और पिता के बीच में थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी बाशु कुमार सिंह ने अपनी कार उनके ठीक बगल में खड़ी की थी और उसका पिछला

दरवाजा खुला था। उसने बच्ची को गोद में उठाया और गाड़ी की पिछली सीट पर लेटा दिया। जैसे ही गाड़ी चलने लगी, लड़की को थोड़ा होश आया और वह अपने पिता को पुकारते हुए चिल्लाई। जिससे उनकी नींद खुल गई। पुलिस ने बताया कि उसके पिता ने गाड़ी को रोकने की कोशिश में उसके पीछे दौड़कर उस पर डंडे फेंके, लेकिन आरोपी गाड़ी भगा ले गया। लड़की के पिता को बस इतना ही याद था कि गाड़ी की नंबर प्लेट पीली थी, जिससे पता चलता था कि वह एक कमर्शियल गाड़ी थी। आरोपी बच्ची को फतेहपुर बेरी के पास मंडी रोड की ओर लगभग 10 से 12 किलोमीटर तक ले गया। पुलिस ने बताया कि लाश को ठिकाने लगाने के बाद आरोपी गुरुग्राम में अपने किराए के घर लौटा, कपड़े बदले और कुछ ही घंटों में कैब ड्राइवर के तौर पर काम पर वापस चला गया। बाद में पुलिस ने आस-पास की दुकानों के सीसीटीवी फुटेज देखे, गाड़ी का रूट पता किया और आरोपी को ढूंढ निकाला। आरोपी ने भागने की कोशिश की, पैर में गोली लगी:-24 जून को आरोपी को पकड़ने के बाद पुलिस उसे क्राइम सीन रीक्रिएट करने के लिए ले जा रही थी। पुलिस का दावा है कि उसने भागने की कोशिश की। रोकने के लिए उसे पैर में गोली मार दी गई। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती है। आरोपी पर पहले से 5 केस दर्ज, दो में हत्या की कोशिश:-बिहार के खगड़िया जिले का रहने वाला आरोपी पांच साल से दिल्ली में रह रहा था और 2023 में कैब ड्राइवर बनने से पहले सिक्योरिटी गार्ड का काम करता था।

वाराणसी में भूमि विवाद में मारपीट,छेड़खानी पीड़ित परिवार ने उच्च अधिकारियों से लगाई न्याय की गुहार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। सिंधोरा थाना क्षेत्र के जाठी गांव निवासी हरिश्चन्द्र चौहान ने भूमि विवाद को लेकर विपक्षी पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए उच्च अधिकारियों से तहत कार्रवाई भी चल रही है। आरोप है कि इसके बावजूद विपक्षी पक्ष विवादित भूमि पर निर्माण कार्य कराने लगा। इसका विरोध करने पर विपक्ष सहित अन्य लोगों ने कथित रूप से समय आरोपितों ने जान से मारने की धमकी भी दी। हरिश्चन्द्र चौहान ने स्थानीय पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि घटना की सूचना देने के बावजूद कोई प्रभावी कानूनी

न्याय की मांग की है। पीड़ित के अनुसार उनके परिवार और पड़ोसियों के बीच आबादी की भूमि को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है,जिसकी शिकायत पूर्व में स्थानीय थाने पर भी की गई थी। पीड़ित का कहना है कि पुलिस एवं स्थानीय लोगों की मौजूदगी में पंचायत के दौरान यह तय हुआ था कि जब तक आपसी सहमति से भूमि का बंटवारा नहीं हो जाता,तब तक विवादित जमीन पर कोई भी निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा। मामले में धारा 107/116 के हरिश्चन्द्र के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर जब उनकी पत्नी,पुत्र और पुत्री मौके पर पहुंचे तो उन पर भी लाठी,डंडे और लोहे की रॉड से हमला किया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उनकी पुत्री के साथ छेड़खानी का प्रयास किया गया तथा उसके कपड़े भी फाड़ दिए गए। मारपीट में उनके पुत्र के सिर में गंभीर चोट आने तथा पत्नी सहित अन्य परिजनों के घायल होने की बात कही गई है। पीड़ित के अनुसार ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ,लेकिन जाते कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पुत्र सौरभ चौहान को बिना कारण थाने में बैठाया गया। पीड़ित का दावा है कि विपक्षी पक्ष के राजनीतिक प्रभाव के कारण पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई नहीं कर रही है। पीड़ित परिवार ने अपनी जान-माल की सुरक्षा को खतरा बताते हुए उच्च अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने,आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उचित कानूनी कार्रवाई करने तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता फीडिंग में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक बिंदु पर नियमित

में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड (CM Dashboard), कर करेत्तर, राजस्व वसूली के अंतर्गत विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद के समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने विभागवार मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित रैंकिंग, प्रगति एवं लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं कार्यक्रमों को पूर्ण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ क्रियान्वित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जिन विभागों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, वे तत्काल आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड शासन की मंशा के अनुरूप कार्यों की वास्तविक स्थिति का दर्पण है, अतः इसमें प्रदर्शित आंकड़ों की शुद्धता एवं समय पर अपडेटिंग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि डेटा मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पंचायतीराज, नगरीय निकाय एवं विकास से जुड़े विभागों की समीक्षा करते हुए योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे फील्ड में जाकर कार्यों का सत्यापन करें तथा आमजन को योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। बैठक मे निर्देशित किया गया कि लंबित शिकायतों एवं प्रकरणों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव मिश्र, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नवीन चंद्रा, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए मुनेश चन्द्र, एआरटी अरविन्द यादव, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या, जिला पंचायत राज अधिकारी विनय सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने राजकीय सम्प्रेषण गृह का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सम्बन्ध में जागरुक किया गया। सचिव द्वारा निर्देशित किया गया विधिक सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण

सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनिशा के राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, रायबरेली का निरीक्षण किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा आवासित बच्चों को उनके अधिकारों के कि आवासित बच्चों को समय से दवा, खाना उनके दैनिक उपयोग की वस्तुओं को समय से उपलब्ध कराया जाए। सचिव द्वारा इस अवसर पर बच्चों को बताया गया कि कैसे आप अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहे। इस अवसर पर बच्चों को उनके निःशुल्क अधिकारों के विषय पर जानकारी दी गई एवं बताया गया कि किसी भी प्रकार की निःशुल्क रायबरेली के कार्यालय में किसी कार्य दिवस में उपस्थित होकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिविर व निरीक्षण के दौरान प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड श्रेया सोलंकी, जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी, डिप्टी लीगल एड डिफेन्स काउंसिल जय सिंह यादव व पराविधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

नशामुक्त भारत अभियान-2026 के तहत प्रयागराज मंडल में दिलाई गई नशामुक्ति की शपथ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नशामुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने कर्मचारियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नशा व्यक्ति, का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री एम.एम.

के उद्देश्य से नशामुक्त भारत अभियान-2026 के अंतर्गत आज दिनांक 25 जून 2026 को प्रयागराज मंडल के मंडल कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज मंडल श्री रजनीश अग्रवाल की अध्यक्षता में नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज श्री रजनीश अग्रवाल ने उपस्थित अधिकारियों एवं परिवार और समाज के विकास में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। नशामुक्त भारत का निर्माण तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प ले। शपथ ग्रहण के दौरान सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वयं को नशे से दूर रखने तथा समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। साथ ही, देश को नशामुक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने वारिस, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्री एस.के. सिंह, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री वैभव गुप्ता, वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, श्री अमित चौधरी, वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं रख-रखाव प्रबंधक, श्री विक्रम सिंह कोली, सहायक कार्मिक अधिकारी (ट्रैफिक), श्री रवि कुमार मीणा सहित मंडल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रयागराज मंडल, नशामुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों को सफल बनाने हेतु जागरूकता, सहभागिता एवं जनसंकल्प के माध्यम से निरंतर प्रयासरत है।

28 जून को किया जाएगा पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित कराया जाए, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके तथा गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति की भी समीक्षा की तथा निर्देशित किया कि पात्र बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर पात्र लाभार्थी टीकाकरण से वंचित न रहें, इसके लिए विशेष अभियान चलाकर कार्य किया जाए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए कहा कि सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने योजनाओं की प्रगति की नियमित निगरानी करने तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में आशा कार्यकर्ताओं के कार्यों एवं उनके लंबित प्रोत्साहन भुगतान (इंसेंटिव) की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आशा कार्यकर्ताओं के इंसेंटिव का भुगतान समय से किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने पाए। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनके भुगतान संबंधी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाना चाहिए। आगामी 28 जून से प्रारम्भ होने वाले पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के संबंध में जनजागरूकता बढ़ाने हेतु सभी उपलब्ध माध्यमों का उपयोग किया जाए, ताकि अधिक से अधिक बच्चों तक पोलियो रोधी दवा पहुंचाई जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बूथों की स्थापना, दवा की उपलब्धता, कार्मिकों की तैनाती एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। साथ ही 28 जून को आयोजित होने वाले बूथ दिवस की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जाएं। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की निर्माणाधीन परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण कराकर विभाग को हस्तांतरित कराया जाए, जिससे आमजन को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ समय से मिल सके। एम्बुलेंस सेवाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने रिस्पॉन्स टाइम पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की सफलता समय की उपलब्धता पर निर्भर करती है। यदि किसी भी स्तर पर एम्बुलेंस निर्धारित समय में मौके पर नहीं पहुंचती है अथवा लापरवाही की शिकायत प्राप्त होती है, तो उसकी जांच कराकर संबंधित वेंडर एवं जिम्मेदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नवीन चंद्रा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अरविंद कुमार, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 अरुण कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेन्द्र कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

निर्जला एकादशी पर फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन के विशेष बच्चों ने बांटा जूस, लस्सी एवं जलजीरा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-70 स्थित फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन द्वारा निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर सेक्टर-73 स्थित महादेव अपार्टमेंट के पास जूस, लस्सी एवं जलजीरा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के विशेष बच्चों एवं उनके अभिभावकों ने पूरे उत्साह के साथ राहगीरों को शीतल पेय वितरित कर सेवा, सामाजिक सहभागिता एवं मानवता का संदेश दिया।फाउंडेशन के निदेशक डॉ. महिपाल सिंह ने कहा कि यह केवल पेय पदार्थ वितरण का कार्यक्रम नहीं था, बल्कि लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने, सामाजिक संबंधों को मजबूत करने और समाज में अपनापन बढ़ाने का एक प्रयास था। उन्होंने बताया कि आज सामाजिक संबंधों की कमी के कारण मस्तिष्क की न्यूरोप्लास्टिसिटी प्रभावित हो रही है तथा डोपामिन का स्तर भी कम हो रहा है। इसके परिणामस्वरूप लोग अधिक चिड़चिड़े, तनावग्रस्त और निराश रहने लगे हैं तथा न्यूरोप्लास्टिसिटी में कमी के कारण न्यूरोलॉजिकल समस्याएं भी बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्य मस्तिष्क के लिए एक ब्रेन जिम की तरह कार्य करते हैं और इस प्रकार के आयोजन केवल त्योहारों तक सीमित न रहकर समाज में नियमित रूप से होने चाहिए। फाउंडेशन की सेंटर मैनेजर सुर्भी जैन ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना तथा समाज के साथ उनकी सहभागिता को मजबूत करना है। कार्यक्रम के अतिथि शिव कुमार अध्यक्ष, आरडब्ल्यूए सेक्टर-122, का फाउंडेशन की ओर से विशेष बच्चों द्वारा निर्मित हैंडवॉश एवं शॉल भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बच्चों एवं उनके अभिभावकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। करीब 5000 लोगों को पेयजल पिलाया गया इसके बाद सभी ने सफाई की महादेव अपार्टमेंट के निवासियों ने जिसमें प्रमुख रूप से महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया इस दौरान नरेश प्रधान, अवधेश राणा, हैप्पी जर्नी टूर एंड ट्रेवल्स के आशीष शर्मा, धर्मेंद्र सिंह नेगी, दिनेश पूनिया, गजेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

लखनऊ अग्निकांड के बाद प्रयागराज मंडल में असुरक्षित कोचिंग संस्थानों पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 10 संस्थान सील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। लखनऊ के अलीगंज (पुरनिया) क्षेत्र में 22 जून 2026 को एक कोचिंग/एनीमेशन सेंटर में

हुई भीषण अग्निकांड की घटना, जिसमें 15 विद्यार्थियों की दुःखद मृत्यु हुई, के बाद शासन द्वारा प्रदेशभर में कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं नियामकीय मानकों की व्यापक जांच के निर्देश जारी किए गए हैं। इसी क्रम में मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल के निर्देश पर प्रयागराज मंडल के सभी जनपदों में विशेष जांच एवं प्रवर्तन अभियान संचालित किया जा रहा है। पर सिविल लाइन्स के कुछ कोचिंग्स में अभी भी मानक नदारद हैं, जैसे की होटल साकेत के आस पास के कुछ कोचिंग्स। इसके अलावा पूरे सिविल लाइंस में फुटपाथ के दुकानदारों ने खम्बो से कटिया खींच रखा है जिससे भी ओवरलोडिंग होती है। उलझे तार खतरे को न्योता रहे हैं। अभियान के तहत सुरक्षा मानकों एवं निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने वाले कोचिंग एवं शैक्षणिक संस्थानों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। अब तक जनपद प्रयागराज एवं कौशाम्बी में कुल 10 संस्थानों को सील किया जा चुका है, जबकि मंडल के अन्य जनपदों सहित 52 से अधिक कोचिंग एवं शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण किया जा चुका है। जांच के दौरान अनेक संस्थानों में गंभीर सुरक्षा एवं नियामकीय अनियमितताएं पाई गईं। अधिकांश संस्थानों के पास अग्निशमन विभाग का वैध अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) उपलब्ध नहीं था। कई स्थानों पर आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट) की व्यवस्था नहीं पाई गई, जिससे किसी भी आकस्मिक स्थिति में विद्यार्थियों की सुरक्षा गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती थी। इसके अतिरिक्त कई संस्थानों में अग्निशमन यंत्र अनुपयोगी अथवा उनकी वैधता अवधि समाप्त पाई गई। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि अनेक संस्थान स्वीकृत भू-उपयोग एवं भवन मानचित्र के विपरीत संचालित हो रहे थे। कुछ स्थानों पर सुरक्षा एवं वेंटिलेशन संबंधी आवश्यक प्रावधानों की अनदेखी करते हुए बेसमेंट में अवैध रूप से कक्षाएं तथा लाइब्रेरी संचालित की जा रही थीं। कई संस्थानों में निर्धारित क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को बैठाया जा रहा था, जिससे आपात स्थिति में भगदड़ जैसी घटनाओं की आशंका बनी रहती है। विद्युत सुरक्षा मानकों की अनदेखी, खुले एवं असुरक्षित विद्युत तार, धुआं निकासी की अपर्याप्त व्यवस्था तथा वेंटिलेशन की कमी जैसी गंभीर खामियां भी सामने आईं।अभियान के दौरान यह भी परिलक्षित हुआ कि कुछ संस्थानों द्वारा विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं निर्धारित मानकों के अनुपालन की अपेक्षा व्यावसायिक हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। मंडलायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कोचिंग संस्थानों की सतत जांच जारी रखी जाए तथा मानकों एवं सुरक्षा प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षित एवं मानकानुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इस उद्देश्य से अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। जनपद प्रयागराज में सील किए गए संस्थानः-1. खान ग्लोबल कोचिंग संस्थान, सिविल लाइन्स, 2. खान आईएएस कोचिंग, सिविल लाइन्स, 3. पितृ छाया कोचिंग एवं राव आईएएस, सिविल लाइन्स, 4. स्टेनली रोड क्षेत्र स्थित कंप्यूटर इंस्टीट्यूट एवं पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट, जनपद कौशाम्बी में सील किए गए संस्थान- 1. कौशाम्बी डिजिटल लाइब्रेरी, मंझनपुर, 2. मास्टर स्टडी, मंझनपुर, 3. डिजिटल क्लासेज, मंझनपुर, 4. अशोका लाइब्रेरी, भरवारी, 5. यूनिक क्लासेज, चायल, 6. शारदा डिजिटल लाइब्रेरी, कोरों रोड।

'फर्जी' टिप्पणी पर भड़का पत्रकार महासंघ, थाने पहुंचा मामला!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)ब्यौहारी। एक व्हाट्सएप मैसेज ने अब बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ, नई दिल्ली को कथित रूप से 'फर्जी संगठन' बताने और महासंघ के ब्लॉक महासचिव रामराज गुप्ता को बिना किसी जांच-पड़ताल के आरोपी घोषित करने के मामले में पत्रकारों का गुस्सा खुलकर सामने आ गया है। महासंघ ने इस पूरे मामले को पत्रकारिता की गरिमा और संगठन की साख पर हमला बताते हुए थाना प्रभारी ब्यौहारी को शिकायत सौंपकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। महासंघ के पदाधिकारियों का आरोप है कि व्हाट्सएप ग्रुप 'श्रमजीवी शहडोल' में लक्ष्मीकांत चतुर्वेदी द्वारा संगठन को सार्वजनिक रूप से 'फर्जी' कहकर बदनाम करने का प्रयास किया गया। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसी टिप्पणियां भी की गईं जिनसे संगठन और उसके पदाधिकारियों की छवि को धक्का पहुंचा। विवाद तब और गहरा गया जब सूर्यभान यादव द्वारा थाना ब्यौहारी में एक शिकायत प्रस्तुत की गई, जिसमें कथित रूप से रामराज गुप्ता का नाम जोड़ने का प्रयास किया गया। महासंघ का कहना है कि उक्त शिकायत और मामले से रामराज गुप्ता का दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं था, इसके बावजूद बिना किसी पुलिस जांच, साक्ष्य या वैधानिक प्रक्रिया के उन्हें सोशल मीडिया पर आरोपी के रूप में प्रचारित किया गया। महासंघ के पदाधिकारियों ने इसे न केवल एक पत्रकार की व्यक्तिगत प्रतिष्ठा पर हमला बताया है, बल्कि इसे पत्रकार समाज को बदनाम करने की सुनियोजित कोशिश भी करार दिया है। उनका कहना है कि यदि किसी के पास कोई तथ्य या प्रमाण है तो उसे कानूनी मंच पर प्रस्तुत करना चाहिए, न कि सोशल मीडिया की अदालत लगाकर किसी की छवि खराब करनी चाहिए। कार्रवाई करो, नहीं तो होगा आंदोलन- पत्रकार महासंघ ने प्रशासन को साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि मामले में शीघ्र कानूनी कार्रवाई नहीं की गई, तो 26 जून 2026 को दोपहर 12 बजे थाना ब्यौहारी परिसर में भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ के पत्रकारो द्वारा एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इस प्रदर्शन में शहडोल संभाग की विभिन्न इकाइयों के पत्रकारों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन सोशल मीडिया पर लगाए गए आरोपों और संगठन को 'फर्जी' बताने के मामले में कोई ठोस कदम उठाएगा, या फिर यह विवाद आने वाले दिनों में और तूल पकड़ेगा? फिलहाल पूरे पत्रकार जगत की नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है। थाने से लेकर सोशल मीडिया तक इस मामले की चर्चा जोरों पर है।

दादरी की बेटी महामेधा नागर को भाजपा उत्तर प्रदेश का प्रदेश मंत्री बनाए जाने पर क्षेत्र में हर्ष की लहर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गौतमबुद्ध नगर भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा दादरी की बेटी एवं युवा महिला नेतृत्व की सशक्त पहचान महामेधा नागर को भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश का प्रदेश मंत्री नियुक्त किए जाने पर पूरे गौतमबुद्ध नगर, विशेषकर दादरी क्षेत्र में हर्ष और गर्व का वातावरण है। यह नियुक्ति केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि क्षेत्र की प्रतिभा, महिलाओं की भागीदारी और युवा नेतृत्व के प्रति पार्टी के विश्वास का प्रतीक है। महामेधा नागर ग्राम अच्छेजा, जनपद गौतमबुद्ध नगर के एक शिक्षित एवं संस्कारित परिवार से आती हैं। उनके दादा-दादी शिक्षा जगत के प्रतिष्ठित नाम रहे हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस से अंग्रेज़ी ऑनर्स में स्नातक, फैकल्टी ऑफ लॉ से एलएलबी तथा पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में परास्नातक की शिक्षा प्राप्त की है। छात्र जीवन से ही सामाजिक और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय रहीं महामेधा नागर ने वर्ष 2017-18 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रत्याशी के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डीयूएसयू) के सचिव पद पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य और सम्मान से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देते हुए सैनिटरी पैड पर टैक्स हटाने के अभियान का नेतृत्व किया, जिसके कारण उन्हें 'दिल्ली की पैड वुमन' के नाम से भी पहचान मिली। महामेधा नागर ने युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व अमेरिका, थाईलैंड सहित कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर किया तथा सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए UNESCO, SAARC सहित अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। गुर्जर समाज सहित पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए महामेधा नागर एक प्रेरणादायी युवा चेहरा हैं। उनकी संगठनात्मक क्षमता, सामाजिक संवेदनशीलता और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। भाजपा उत्तर प्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी में पश्चिमी उत्तर प्रदेश से गुर्जर समाज को दो प्रतिनिधित्व मिले हैं, जिनमें महामेधा नागर का नाम शामिल हैं। यह नियुक्ति प्रदेश की बेटियों, युवाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणा का स्रोत है। दादरी की बेटी महामेधा नागर ने अपने परिश्रम, संघर्ष और समर्पण से यह सिद्ध किया है कि सेवा और संस्कार के मार्ग पर चलने वाले कार्यकर्ताओं को भारतीय जनता पार्टी सदैव सम्मान और अवसर प्रदान करती है। क्षेत्रवासियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि महामेधा नागर अपने नए दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाएंगी तथा प्रदेश के युवाओं, महिलाओं एवं समाज के वंचित वर्गों की आवाज़ को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएंगी।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने उ0प्र0शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की,परीक्षाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से कराया जाए संपन्न

अभ्यर्थियों की चेकिंग एवं फ्रिस्किंग पूरी गंभीरता के साथ हो

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। कृषि उत्पादन आयुक्त श्री दीपक कुमार ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET) 2026 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन निर्धारित मानकों के अनुरूप सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित किया जाए। परीक्षा सामग्री की सुरक्षा से लेकर परीक्षा केंद्रों की निगरानी तक प्रत्येक स्तर पर विशेष सतर्कता बरती जाए।अभ्यर्थियों की चेकिंग एवं फ्रिस्किंग पूरी गंभीरता के साथ की जाए। उन्होंने कहा कि गोपनीय परीक्षा सामग्री का भंडारण कोषागार के डबल-लॉक सिस्टम में किया जाए तथा प्रश्नपत्रों एवं अन्य गोपनीय सामग्री का परिवहन सेक्टर मजिस्ट्रेट की अभिरक्षा में सुनिश्चित किया जाए। परीक्षा केंद्रों पर स्थापित कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखी जाए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि प्रश्नपत्रों को खोलने, वितरण करने तथा परीक्षा समाप्ति के उपरांत पुनः सील करने की संपूर्ण प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराई जाए। इसके लिए परीक्षा से संबंधित सभी कार्मिकों को पूर्व में ही संवेदनशील एवं प्रशिक्षित किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि संपूर्ण प्रक्रिया की अनिवार्य रूप से वीडियोग्राफी कराई जाए, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना समाप्त हो सके। साथ ही, निरीक्षकों (Invigilators) का कक्ष आवंटन स्टेटिक मजिस्ट्रेट द्वारा किया जाए, मोबाइल फोन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लागू रहे, सभी संबंधित कार्मिकों से 'नो रिलेशन सर्टिफिकेट' प्राप्त किया जाए तथा परीक्षा सामग्री की पैकिंग एवं सीलिंग में निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंध, चिकित्सकीय प्रबंध, पेयजल की उपलब्धता एवं सुचारू विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था की जाए, साथ ही ग्रीष्म ऋतु एवं संभावित मानसून के दृष्टिगत आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। बैठक में अवगत कराया गया कि उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षक पात्रता परीक्षा 02 जुलाई, 2026को दो पालियों में एवं 03 जुलाई, 2026 को प्रथम पाली में आयोजित होगी। वहीं प्राथमिक स्तर की परीक्षा 03 जुलाई, 2026 को द्वितीय पाली एवं 04 जुलाई, 2026 को प्रथम पाली आयोजित होगी। प्रथम पाली प्रातः 9:30 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 2:30 बजे से 5:00 बजे तक आयोजित होगी। यह परीक्षा प्रदेश के 60 जनपदों के 955 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी, जिसमें कुल 19,94,661 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। बैठक में प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा श्री एम.पी. अग्रवाल, शिक्षा आयोग के अध्यक्ष श्री प्रशांत कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

संविधान हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा है, इसकी रक्षा करना हम सभी का दायित्व है- केशव प्रसाद मौर्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने संविधान हत्या दिवस के

अवसर पर कहा कि 25 जून, 1975 की मध्य रात्रि को देश पर आपातकाल थोप दिया गया था, जो भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक काला अध्याय है। उस दौरान देशवासियों के मौलिक अधिकारों का हनन किया गया, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को प्रभावित किया गया और असहमति की आवाजों को दबाने का कार्य किया गया।मौर्य ने कहा कि भारत का संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान है, जो प्रत्येक नागरिक को अधिकार, समानता और सम्मान के साथ जीवन जीने की गारंटी देता है। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने इसे देश की जनता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से बनाया था, लेकिन आपातकाल के दौरान इसी संविधान का सहारा लेकर जनता के अधिकारों को कुचलने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि आपातकाल के काले दिनों को देश कभी नहीं भूल सकता। लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों का त्याग, साहस और समर्पण सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी लोकतंत्र सेनानियों ने विपरीत परिस्थितियों में भी लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1975 में तत्कालीन सरकार ने सत्ता के अहंकार में देश पर आपातकाल लगाया और लोकतांत्रिक मूल्यों पर गंभीर प्रहार किया। प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाया गया और हजारों लोकतंत्र समर्थकों को जेलों में बंद किया गया। संविधान हत्या दिवस हमें उस दौर की याद दिलाता है और लोकतंत्र की मजबूती के लिए सतर्क रहने की प्रेरणा देता है।श्री मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार संविधान की भावना के अनुरूप कार्य कर रही है। वर्ष 2017 से उत्तर प्रदेश में चल रही डबल इंजन की सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ बिना किसी भेदभाव के प्रदेश के विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में ऐसा वातावरण बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की गरिमा को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हो। आपातकाल जैसे दिन देश और प्रदेश में दोबारा नहीं आने दिए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प में हर युवा के लिए अवसर, हर गरीब के लिए सम्मानजनक जीवन और प्रत्येक नागरिक के लिए विकास की समान भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा दिए गए संविधान की शक्ति से आज देश की महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का ऐतिहासिक कार्य किया गया है। श्री मौर्य ने कहा कि जनता से बड़ी कोई शक्ति नहीं होती। हमारा संविधान ही वह शक्ति देता है, जिसके माध्यम से देश का प्रत्येक नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर ग्राम प्रधान, नगर निकाय प्रतिनिधि, विधायक और सांसद का चुनाव करता है। लोकतंत्र की यही ताकत भारत को विश्व में विशिष्ट स्थान प्रदान करती है।

प्रयागराज में जिला स्तरीय 'एमएसएमई कॉन्क्लेव' का सफल आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (UPSIA) द्वारा इंडियन बैंक के सहयोग से जिला स्तरीय 'एमएसएमई कॉन्क्लेव' का सफल आयोजन 25 जून 2026, गुरुवार को रमांशा इन, होटल एंड रिसॉर्ट, मिर्जापुर रोड, इंडियन टेलीकॉम इंडस्ट्रीज के सामने, नैनी, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम प्रातः 11:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक आयोजित हुआ, जिसमें जिले के उद्यमियों, औद्योगिक संगठनों, बैंकिंग संस्थानों, सरकारी विभागों एवं गणमान्य अतिथियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाना, उद्यमियों को सरकार की योजनाओं से अवगत कराना, बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी देना तथा उद्योगों को वित्तीय एवं प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए एक सकारात्मक संवाद स्थापित करना था। कार्यक्रम के माध्यम से उद्यमियों को विभागीय सहयोग, बैंकिंग योजनाओं, औद्योगिक विकास और एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े विभिन्न अवसरों की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में जनपद के प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, बैंकिंग संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों एवं गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनमें श्रीमती विनीता सिंह, एडीएम फाइनेंस, प्रयागराज, डीएम कार्यालय; श्रीमती विभा मिश्रा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एमएसएमई ग्लोबल; श्री एल.बी.एस. यादव, जॉइंट डायरेक्टर, एमएसएमई, प्रयागराज; श्री अजय चौरसिया, जॉइंट कमिश्नर इंडस्ट्रीज, प्रयागराज; श्रीमती ममता कुमारी, जीएम, इंडियन बैंक; श्री अवधेश कुमार पुरबे, एजीएम, इंडियन बैंक, प्रयागराज; श्री संतोष कुमार, रीजनल मैनेजर, UPSIA श्रीमती प्रेरणा, जीएम, वरुण बेवरेजेज; तथा श्री अरविंद राय, अध्यक्ष, ळइएर्ड प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत उद्यमियों एवं गणमान्य अतिथियों के आगमन, चाय-कॉफी, विचारों के आदान-प्रदान एवं आपसी परिचय से हुई। इस दौरान उपस्थित उद्यमियों ने एक-दूसरे के साथ अपने अनुभव साझा किए तथा उद्योगों के विकास, वित्तीय सहयोग, सरकारी योजनाओं और विभागीय समन्वय से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री नेहा द्वारा किया गया। UPSIA के अध्यक्ष श्री अरविंद राय ने संस्था का परिचय देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि UPSIA लगातार उद्यमियों की समस्याओं को प्रशासन, बैंक और संबंधित विभागों तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है तथा एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों ने एमएसएमई, औद्योगिक विकास, सरकारी योजनाओं, विभागीय सहयोग और उद्यमियों की समस्याओं के समाधान से जुड़े विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। अधिकारियों ने उद्यमियों को आश्वस्त किया कि एमएसएमई इकाइयों के विकास, उद्योगों की समस्याओं के समाधान और निवेश

को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशासन एवं संबंधित विभाग हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे।श्रीमती विभा मिश्रा द्वारा एमएसएमई क्षेत्र की भूमिका, उद्यमिता के महत्व और स्थानीय उद्योगों के विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि एमएसएमई इकाइयां रोजगार सृजन, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के दौरान श्री अनंत चंद्र, हेड आईटी सेल एवं स्टार्टअप, UPSIA ने UPSIA की अब तक की उपलब्धियों के बारे में उपस्थित अतिथियों एवं उद्यमियों को अवगत कराया। उन्होंने संस्था द्वारा उद्यमियों के हित में किए जा रहे कार्यों, औद्योगिक विकास के लिए उठाए गए कदमों तथा एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में UPSIA के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डाला। इसके बाद इंडियन बैंक के प्रतिनिधियों द्वारा 'MSME Advantage' विषय पर मुख्य वक्तव्य दिया गया। इस सत्र में उद्यमियों को बैंकिंग सुविधाओं, ऋण योजनाओं, वित्तीय सहयोग, डिजिटल बैंकिंग सुविधाओं और एमएसएमई इकाइयों के लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रकाश इंडस्ट्रीज की श्रीमती एकता जायसवाल ने प्रेरणादायक संबोधन दिया। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए महिला उद्यमियों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और उद्योग जगत में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। लंच के पश्चात UPSIA के सदस्यों एवं उनके उत्पादों की झलक प्रस्तुत की गई, जिसमें विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के कार्यक्षेत्र, उत्पादों और सेवाओं की जानकारी दी गई। इससे उपस्थित उद्यमियों को एक-दूसरे के व्यवसायों को समझने और आपसी सहयोग की संभावनाओं पर विचार करने का अवसर मिला। इसके उपरांत सदस्यों के सम्मान में स्मृति-चिह्न प्रशंसा समारोह आयोजित किया गया, जिसमें औद्योगिक क्षेत्र में योगदान देने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन समिति के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन टीम में श्री नीरज कुमार, संगठन मंत्री; श्री कुतुबुद्दीन खान, कोषाध्यक्ष; श्री मनीष शुक्ला, सचिव; श्री अनुज तिवारी, स्टेट कोऑर्डिनेटर; श्री प्रिंस जायसवाल, प्रयागराज - इनोवेटिव यूपी चेयरमैन; श्री अनंत चंद्र, हेड आईटी सेल एवं स्टार्टअप; श्री मोहम्मद इज़राइल, उपाध्यक्ष; श्री मनीष कुमार केसरवानी, उपाध्यक्ष, ळइएर्ड, प्रयागराज; तथा डॉ. पुनीत अरोड़ा, मीडिया प्रभारी शामिल रहे। सभी सदस्यों ने कार्यक्रम की तैयारी, अतिथियों के स्वागत, उद्यमियों के समन्वय, मीडिया प्रबंधन और आयोजन की व्यवस्था में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में श्री प्रिंस जायसवाल, प्रयागराज - इनोवेटिव यूपी चेयरमैन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सम्मानित अतिथियों, अधिकारियों, इंडियन बैंक के प्रतिनिधियों, उद्यमियों, ळइएर्ड पदाधिकारियों, सदस्यों, आयोजन समिति एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।इस कॉन्क्लेव के माध्यम से बैंक, सरकार, विभागों और उद्यमियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ। कार्यक्रम ने एमएसएमई इकाइयों को नई योजनाओं, वित्तीय सुविधाओं, सरकारी सहयोग और औद्योगिक विकास से जुड़े अवसरों की जानकारी उपलब्ध कराई। उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल एसोसिएशन ने कहा कि ऐसे आयोजन भविष्य में भी किए जाते रहेंगे, ताकि जिले के एमएसएमई क्षेत्र को नई दिशा, नई ऊर्जा और बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें।

घाघर नदी सेतु निर्माण में लापरवाही पर ठेकेदार पर 20 लाख रुपये की पेनाल्टी

जिलाधिकारी ने कार्य में तेजी लाने के दिए सख्त निर्देश, 50 दिन में कार्य पूर्ण करने की समयसीमा तय, निर्धारित कार्ययोजना से विचलन होने पर और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने पटवध-बसुहारी मार्ग पर घाघर नदी के ऊपर निर्माणाधीन सेतु, पहुंच मार्ग एवं सुरक्षात्मक कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कार्य की प्रगति अत्यंत धीमी पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा कार्यदायी संस्था एवं ठेकेदार को फटकार लगाई। बैठक में बताया गया कि उक्त परियोजना के संबंध में पूर्व में भी कई बार निर्देश जारी किए जा चुके हैं तथा 20 जून 2026 तक गर्डर लॉन्चिंग पूर्ण करने का आश्वासन ठेकेदार द्वारा दिया गया था। इसके बावजूद कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। इस पर जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य में शिथिलता एवं लापरवाही बरतने के लिए संबंधित ठेकेदार मेसर्स परीक्षित निर्माणक पर 20 लाख रुपये की लिक्विडेटेड डैमेज (एलडी) पेनल्टी लगाए जाने के निर्देश दिए। यह धनराशि आगामी देयकों से काटी जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाओं

में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्य की गति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ तथा निर्धारित समयसीमा के अनुरूप प्रगति नहीं मिली तो भविष्य में देयकों से और अधिक धनराशि की कटौती सहित कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में ठेकेदार द्वारा 24 जून 2026 से आगामी 50 दिनों के भीतर, अर्थात 12 अगस्त 2026 तक सम्पूर्ण कार्य पूर्ण करने की सहमति व्यक्त करते हुए विस्तृत साप्ताहिक कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रस्तुत कार्ययोजना के अनुरूप प्रत्येक सप्ताह कार्यस्थल पर वास्तविक प्रगति दिखाई देनी चाहिए। यदि निर्धारित लक्ष्य से कम प्रगति पाई गई तो अतिरिक्त पेनल्टी लगाए जाने की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को भी नियमित निरीक्षण कर कार्य की प्रगति की निगरानी करने तथा किसी भी प्रकार की बाधा को तत्काल दूर कर परियोजना को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेतु निर्माण पूर्ण होने से क्षेत्र के हजारों लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी तथा स्थानीय विकास को गति मिलेगी।

कॉर्पोरेट पर टैक्स लगा सुनिश्चित हो संवैधानिक अधिकार, रोजगार-सामाजिक अधिकार यात्रा बभनी पहुंची, किया संवाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बभनी/सोनभद्र। जनगणना में आदिवासी धर्म कोड को शामिल

करने समेत 8 सूत्रीय एजेण्डा पर जारी रोजगार-सामाजिक अधिकार यात्रा बभनी पहुंची। जहां बभनी बाजार, घघरा, चौवना, एकदरी, रंदह आदि तमाम गांव में संपर्क और संवाद किया गया। संवाद में वक्ताओं ने कहा कि कॉर्पोरेट घरानों की संपत्ति पर टैक्स लगाकर हर नागरिक के संविधान में प्रदत्त रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन और सामाजिक अधिकारों को सुनिश्चित किया जा सकता है। देश में संसाधनों की कमी नहीं है। अगर सरकार इच्छाशक्ति दिखाएं और देशी-विदेशी कॉरपोरेट्स पर टैक्स लगाने का साहस करें तथा काली पूंजी की अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करें तो मौजूदा बजट के आकार को दुगना किया जा सकता है और जनकल्याण पर खर्च बढ़ाया जा सकता है।वक्ताओं ने कहा कि यह पूरा क्षेत्र विकास के मामले में सरकारी उपेक्षा का शिकार है। बड़े पैमाने पर रोजगार के अभाव में पलायन हो रहा है। माइक्रोफाइनेंस कंपनियों महिलाओं के लूट में लगी है और नॉन बैंकिंग कंपनियां लोगों की जमा पूंजी लेकर भाग जा रही है। पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य के मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है। आदिवासी समाज के स्वतंत्रता संग्राम नायकों का भी सम्मान करने और उनकी याद में स्मारक बनाने के लिए सरकार तैयार नहीं है। इन सब प्रश्नों को इस यात्रा में उठाया जा रहा है। जिसको बड़ा समर्थन मिल रहा है। यात्रा में ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के जिला संयोजक कृपाशंकर पनिका, जिला सचिव इंद्रदेव खरवार, मंगरु प्रसाद श्याम, सविता गोंड, रूबी सिंह गोंड, ललित गोंड, गुलशन गोंड, देव कुमार खरवार, राम विचार, समरजीत गोंड, महावीर गोंड, भगवान दास गोंड, श्यामाशंकर यादव शिवसागर खरवार आदि शामिल रहे।

पपड़ाहवा-पल्हारी और चेरुई में कंपनी स्थापना के विरोध में आदिवासियों का प्रदर्शन, संदीप मिश्रा के नेतृत्व में उठी आवाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र के पपड़ाहवा एवं पल्हारी गांव में प्रस्तावित औद्योगिक परियोजना के विरोध में किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा

के संयोजक संदीप मिश्रा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में आदिवासी महिला-पुरुषों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने गांव में कंपनी स्थापना का विरोध करते हुए इसे क्षेत्र के पर्यावरण, जल, जंगल और जमीन के लिए खतरा बताया। प्रदर्शन के दौरान बीडीसी बिंदु अगरिया ने कहा कि किसी भी कीमत पर क्षेत्र में कंपनी नहीं लगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज जब देश के कई हिस्सों में लोग स्वच्छ हवा और प्राकृतिक वातावरण के लिए तरस रहे हैं, तब सोनभद्र के इस इलाके में बेहतर पर्यावरण के कारण लोग स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। और बताया जाता है कि करोना काल में पूरे भारत में लोग तरस थे लेकिन सोनभद्र के इस इलाके सभी स्वस्थ मिले थे कोई भी कोरोना का मरीज नहीं पाया गया था लेकिन ऐसे में उद्योग लगने से पर्यावरण को नुकसान पहुंचेगा और आने वाली पीढ़ियों पर इसका दुष्प्रभाव पड़ेगा। वहीं रामबहाल खरवार ने कहा कि चाहे जान चली जाए, लेकिन गांव में कंपनी नहीं लगने दी जाएगी। उनका कहना था कि उद्योगों के आने से क्षेत्र का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा और आदिवासियों की जमीन व प्राकृतिक संसाधनों पर संकट खड़ा हो जाएगा। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनियों द्वारा रोजगार देने के दावे केवल कागजों तक सीमित रहते हैं। उनका कहना था कि सोनभद्र में पहले से कई बड़े प्लांट और उद्योग स्थापित हैं, लेकिन स्थानीय युवाओं को अपेक्षित रोजगार नहीं मिला। ऐसे में नई कंपनी लगने से भी स्थानीय लोगों को कोई वास्तविक लाभ मिलने की संभावना नहीं है। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने कहा कि यह आदिवासियों के अधिकारों और संसाधनों को छीनने की कोशिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार उद्योगपतियों को बढ़ावा देने में लगी है, जबकि मूल निवासियों के हितों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि सोनभद्र में पहले से संचालित कई उद्योग स्थानीय लोगों को रोजगार देने में विफल रहे हैं, इसलिए आदिवासी समाज नई परियोजनाओं को लेकर आशंकित है। संदीप मिश्रा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आदिवासियों की सहमति के बिना कंपनी स्थापना की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई तो किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा और क्षेत्रीय ग्रामीण व्यापक जनआंदोलन करने को बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा और किसी भी कीमत पर आदिवासियों के अधिकारों का हनन नहीं होने दिया जाएगा।

आज के कार्यक्रम में प्रमिला बरमतिया चेरो पुष्पा खरवार पिंकी अगरिया रजावती गोण विन्दू अगरिया सुदामा चेरो दिनेश गोण रामबहाल खरवार गुलाब गोण व सत्रुधन बिन्द विजय विन्द सजय बियार व सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

हज-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू, 20 जुलाई तक किए जा सकेंगे आवेदन,हज कमेटी ऑफ इंडिया ने पात्र एवं इच्छुक आवेदकों से मांगे आवेदन

हज सुविधा मोबाइल एप एवं आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से होगा ऑनलाइन पंजीकरण,आवेदन से पूर्व दिशा-निर्देशों का अध्ययन एवं आवश्यक दस्तावेजों की तैयारी सुनिश्चित करने की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी श्री सुधांशु शेखर शर्मा ने अवगत कराया है कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय एवं हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हज-2027 के लिए पात्र एवं इच्छुक भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। हज यात्रा पर जाने के इच्छुक आवेदक हज कमेटी ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट तथा मोबाइल एप्लिकेशन हज सुविधा के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। हज-2027 के लिए आवेदन प्रक्रिया दिनांक 22 जून, 2026 से प्रारम्भ हो चुकी है, जो 20 जुलाई, 2026 की रात्रि 11:59 बजे तक संचालित रहेगी। निर्धारित समय सीमा के पश्चात किसी भी प्रकार का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार जुलाई 2026 के अंतिम सप्ताह में कुर्रा (डिजिटल रैंडम चयन) प्रक्रिया सम्पन्न की जाएगी। चयनित हज यात्रियों को 10 अगस्त, 2026 तक रु1,52,300 की अग्रिम राशि जमा करनी होगी। निर्धारित समय-सीमाओं में किसी प्रकार का विस्तार अथवा छूट प्रदान नहीं की जाएगी। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन से पूर्व जारी दिशा-निर्देशों, घोषणा पत्रों एवं प्रतिज्ञापत्रों का भली-भांति अध्ययन कर अपनी पात्रता सुनिश्चित कर लें। आवेदन के साथ मशीन-पठनीय भारतीय पासपोर्ट के प्रथम एवं अंतिम पृष्ठ, नवीन पासपोर्ट आकार का फोटो, बैंक पासबुक अथवा निरस्त चेक तथा पते के प्रमाण की स्कैन की गई प्रतियां निर्धारित प्रारूप में अपलोड करना अनिवार्य होगा। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने यह भी स्पष्ट किया है कि हज सीट का निरस्तीकरण हतोत्साहित किया जाता है, क्योंकि इससे व्यवस्थागत एवं परिचालन संबंधी कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं। इसलिए इच्छुक हज यात्रियों को अपनी तैयारी एवं यात्रा के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के उपरांत ही आवेदन करने की सलाह दी गई है। हज सीट निरस्त किए जाने की स्थिति में हज-2027 दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्धारित दंडात्मक प्रावधान लागू होंगे। जनपद के इच्छुक नागरिकों से समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने तथा सभी आवश्यक दस्तावेजों को निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार रखने की अपील की गई है।

मतदेय स्थलों के भौतिक सत्यापन को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने की समीक्षा बैठक,27 जून को विधानसभा वार भ्रमण कर सेक्टर ऑफिसर करेंगे मतदान केंद्रों का निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने विधानसभा वार तैनात सेक्टर ऑफिसर्स, समस्त उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर मतदेय स्थलों के भौतिक सत्यापन संबंधी तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि दिनांक 27 जून, 2026 को सभी सेक्टर ऑफिसर्स अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में भ्रमण कर मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह जांच की जाए कि मतदेय स्थल के लिए चयनित भवन उपयुक्त स्थिति में है अथवा नहीं तथा वहां आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं या नहीं। उन्होंने निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान मतदेय स्थलों पर शौचालय, विद्युत आपूर्ति, मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता, भवन एवं कमरों की स्थिति सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विस्तृत परीक्षण कर निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। जहां किसी प्रकार की कमी पाई जाए, वहां संबंधित विभागों के माध्यम से समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारु, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए मतदान केंद्रों पर सभी आवश्यक सुविधाओं का उपलब्ध होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भौतिक सत्यापन का कार्य गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादित करते हुए निर्धारित समय सीमा में आख्या उपलब्ध कराएं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

12 साल का बेटा अपनी गलती कभी नहीं मानता, हमेशा दूसरों को दोष देता है, उसे अपनी गलती की जिम्मेदारी लेना कैसे सिखाएं?

जयपुर। अब के समय काल परिस्तिथि के हिसाब से बच्चो

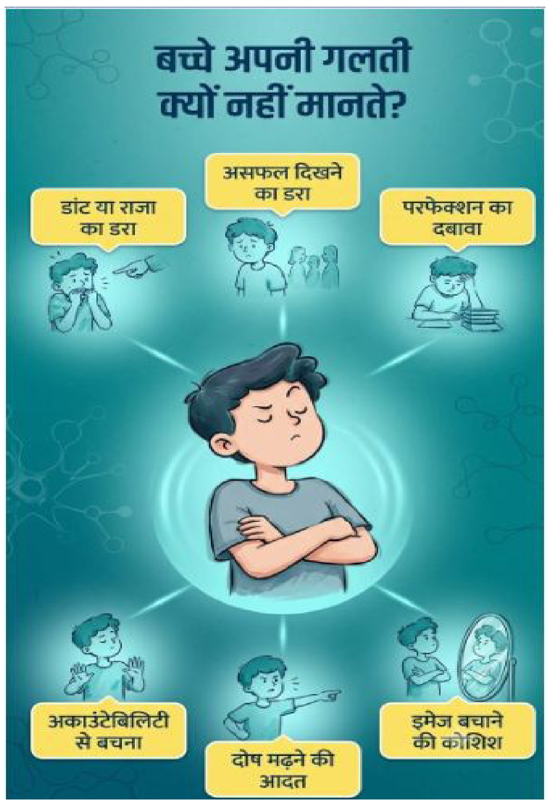

में कई आदतें आ रहीं हैं। ऐसी विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं इंदौर से हूं। मेरा 13 साल का बेटा हर छोटी-बड़ी गलती के लिए किसी-न-किसी को जिम्मेदार ठहरा देता है। अगर उसके नंबर कम आएं तो स्कूल सिस्टम की गलती है। अगर दोस्त नाराज हो जाएं तो 'वे मुझे समझते नहीं।' हाल ही में उसने अपना प्रोजेक्ट समय पर जमा नहीं किया, लेकिन पूरी गलती ग्रुप मेंबर पर डाल दी। मुझे डर है कि आगे चलकर यह आदत उसके रिश्तों और करियर पर असर न डाले। हम उसे अपनी गलतियां स्वीकारना और अकाउंटबिलिटी लेना कैसे सिखाएं? जवाब- अगर बच्चा हर गलती के लिए किसी और को जिम्मेदार ठहराने लगे, अपनी भूमिका स्वीकार न करे और हर असफलता का कारण बाहरी परिस्थितियों को माने, तो यह माता-पिता के लिए चिंता की बात हो सकती है। आपकी ये फिक्र भी वाजिब है कि लंबे समय में यह आदत रिश्तों, पढ़ाई और प्रोफेशनल जीवन पर असर डाल सकती है। हालांकि मनोविज्ञान कहता है कि ऐसा व्यवहार हमेशा सिर्फ जिद या गैरजिम्मेदारी के कारण नहीं होता। कई बार इसके पीछे कुछ जटिल मनोवैज्ञानिक कारण भी होते हैं। जैसेकि-असफल दिखने का डर आत्मसम्मान की फिक्र आलोचना से बचने की कोशिश ऐसे में असली सवाल यह है कि बच्चे की इस आदत के कारणों को समझा जाए। फिर बिना शर्मिंदा किए उसे अपनी गलतियों की जिम्मेदारी लेना सिखाया जाए। आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं। बच्चा गलती क्यों नहीं स्वीकार कर रहा? पेरेंट्स अक्सर सोचते हैं कि बच्चा

अपनी गलती क्यों नहीं मानते? असफल दिखने का डर

अकाउंटबिलिटी से बचना। दोष मढ़ने की आदत। परफेक्शन का दबाव। इमेज बचाने की कोशिश। गलती शर्मिंदगी है या सीखने का मौकाः- अगर बच्चा अपनी गलती नहीं मान रहा तो इसका मतलब यह नहीं है कि गैरजिम्मेदार है। अभी वह जिम्मेदारी लेना सीख रहा है। यह सीख वह अपने आसपास के माहौल से ही लेगा। इसलिए सबसे जरूरी है घर का माहौल ऐसा हो, जहां पर गलती करना अपराध नहीं, बल्कि सीखने का मौका हो। घर का माहौल ऐसा हो, जहां माता-पिता भी अपनी गलती बच्चों के सामने आसानी से स्वीकार करते हों। गलतियां शर्मिंदगी का सबब न हों। अगर बच्चे को लगे कि उसे धैर्य से सुना जा रहा है, उसकी बात समझी जा रही है तो वह धीरे-धीरे अपनी जिम्मेदारी लेना सीखेगा। पेरेंट्स का व्यवहार ही है पहली शिक्षा बच्चे सिर्फ हमारी बातें नहीं सुनते, बल्कि हमारे व्यवहार से सीखते हैं। अगर घर में बड़े लोग- अपनी गलती स्वीकार नहीं करते। हर गलती के लिए दूसरों को दोष देते हैं। तो बच्चे भी वही सीखते हैं। इसलिए कभी-कभी बच्चे के सामने अपनी गलतियां स्वीकार करना भी बहुत असरदार होता है। इससे बच्चा सीखता है कि गलती मानना कमजोरी नहीं है। सिर्फ 'सॉरी' कहना काफी नहींः- कई बार पेरेंट्स चाहते हैं कि बच्चा तुरंत 'सॉरी' बोले। लेकिन वो इस पर गौर नहीं करते कि क्या बच्चे को अपनी गलती का एहसास भी है। डांट खाने के डर से बच्चे 'सॉरी' तो फटाफट बोल देते हैं, लेकिन फिर वही गलती दोहराते हैं क्योंकि इसके पीछे 'रिअलाइजेशन' का प्रोसेस नहीं होता। सॉरी उनके लिए सिर्फ एक शब्द होता है, जो उस वक्त पड़ने वाली डांट से बचा लेगा। बच्चे अक्सर जजमेंट के

प्रोजेक्ट समय पर जमा नहीं किया, तो सिर्फ यह कहने की बजाय कि 'तुम हमेशा बहाने बनाते हो,' उससे पूछें- 'प्रोजेक्ट पूरा क्यों नहीं हुआ?' 'क्या कोई प्रॉब्लम थी?' ऐसे सवाल बच्चे को सोचने पर मजबूर करते हैं। उसे छाेटी-छाेटी जिम्मेदारियां देना भी जरूरी है। जैसे अपना बैग व्यवस्थित करना, किसी काम की डेडलाइन याद रखना या घर के छोटे काम संभालना। जब बच्चा जिम्मेदारी निभाता है, तो धीरे-धीरे अकाउंटबिलिटी डेवलप होती है।गलती पर शांति से बात करें। खुद रोल मॉडल बनें। निर्णय लेने का मौका दें। छोटी जिम्मेदारियां दें। गलती करना गलत नहीं है। जिम्मेदारी लेने पर तारीफ करें। जिम्मेदारी लेना लेकिन इससे न सीखना ताकत है। गलत है। उसे गलती स्वीकारना बताएं- कमजोरी गलतियां सबसे होती नहीं है। उन गलतियों से सीखना चाहिए। लेकिन उन्हें स्वीकारना चाहिए।

बातों का प्रभाव कम हो जाता है। कई बार बच्चा सिर्फ यह महसूस करता है कि उसे जज किया जा रहा है। इसलिए छोटी, स्पष्ट और शांत बातचीत ज्यादा असरदार होती है। बच्चे को शर्मिंदा करने के खतरेः-अगर बच्चे को अक्सर 'झूठा,' 'गैरजिम्मेदार,' 'बहानेबाज' कहा जाए, तो धीरे-धीरे वह खुद को उसी नजर से देखने लगता है। याद रखिए, बच्चे की गलती को 'गलत' कहना जरूरी है। लेकिन बच्चे को 'गलत इंसान' महसूस कराना ठीक नहीं है। पेरेंट्स को कौन-सी गलतियां नहीं करनी चाहिए? कई बार माता-पिता ऐसे तरीके अपनाते हैं, जो बच्चे को डिफेंसिव बना सकते हैं। अगर हर गलती पर बहुत ज्यादा गुस्सा किया जाए, बार-बार पुरानी बातें याद दिलाई जाएं या दूसरों से तुलना की जाए, तो बच्चा अपनी सुरक्षा के लिए और ज्यादा बहाने बनाने लगता है। इसलिए पेरेंट्स को इन गलतियों से बचना चाहिए- पेरेंट्स न करें ये गलतियांः- बच्चे को हर गलती पर डांटना। उसे 'झूठा' कहना। उसे शर्मिंदा करना। लंबा लंबा लेक्चर देना। दूसरों से तुलना उसे बेइज्जत करना। यह समझना जरूरी है कि अकाउंटबिलिटी डर से नहीं, इमोशनल सेफ्टी से आती है। जब बच्चा यह महसूस करता है कि गलती के बाद भी उसे सुना जाएगा, तभी वह सच्चाई स्वीकारना सीखता है। कब

गलती मानना कमजोरी नहीं- बच्चे को यह भी समझाना जरूरी है कि जीवन में हर व्यक्ति गलती करता है। गलती होना समस्या नहीं है, बल्कि उससे सीखने से इनकार करना समस्या है। जब बच्चा अपनी गलती स्वीकार करे, तो उसकी तारीफ जरूर करें। जैसे-'मुझे अच्छा लगा कि तुमने सच

एक्सपर्ट की मदद लें? वैसे तो थोड़ी समझदारी और विवेक के साथ इस समस्या को अपने स्तर पर सुलझाया जा सकता है। लेकिन समस्या ज्यादा बढ़े तो किसी चाइल्ड काउंसलर या साइकोलॉजिस्ट से सलाह लेना मददगार हो सकता है। जैसेकि- हर गलती पर लगातार दूसरों को ही दोष देना। गलती मानने पर

जानबूझकर बहाने बना रहा है। लेकिन कई बार इसके पीछे डर, असुरक्षा और परफेक्ट दिखने का दबाव होता है। कुछ बच्चे गलती को शर्मिंदगी या निराशा से जोड़कर देखते हैं। ऐसे बच्चे धीरे-धीरे गलती स्वीकारने की बजाय उससे बचने लगते हैं।

कई बार बच्चे खुद को बचाने के लिए दूसरों पर ब्लेम करने लगते हैं। और भी कई संभावित कारण हो सकते हैं। डांट या सजा का डर। बच्चे

डर से अपनी गलतियां छिपाते हैं। घर में अगर समझदारी और जिम्मेदारी का माहौल मिले तो वे धीरे-धीरे अकाउंटबिलिटी लेना सीखते हैं। इसलिए घर का माहौल ऐसा रखें, जहां बच्चा बिना डरे अपनी बात कह सके। बच्चे को अकाउंटबिलिटी कैसे सिखाएं? जब बच्चा कोई गलती करे, तो तुरंत गुस्से में प्रतिक्रिया देने के बजाय उससे शांत होकर बात करने की कोशिश करें। उदाहरण के लिए, अगर उसने

बताया।' 'गलती मानना आसान नहीं होता, लेकिन तुमने ईमानदारी दिखाई।' ऐसी प्रतिक्रियाएं बच्चे को सच बोलने और जिम्मेदारी लेने के लिए इमोशनली सेफ महसूस कराती हैं। बच्चे को भाषण नहीं, उदाहरण चाहिएः-अक्सर पेरेंट्स बच्चे की गलती के बाद लंबा भाषण देने लगते हैं। लेकिन लगातार एक जैसी बातें सुनने से बच्चों को उनकी आदत हो जाती है। इससे बच्चे पर इन

बहुत ज्यादा गुस्सा हो जाना। हर बात पर झूठ बोलने की समस्या इंटेंस हो जाना। फीडबैक को हमेशा नेगेटिव तरीके से लेना। अंत में यही कहूंगी कि जब बच्चा यह समझता है कि गलती मानना शर्म की नहीं, बल्कि मैच्योरिटी की निशानी है, तो धीरे-धीरे वह जिम्मेदारी लेना सीख जाता है। इसके लिए पेरेंट्स का रोल मॉडल होना बहुत मायने रखता है।

कटहल के हेल्थ बेनिफिट्स,इसका फाइबर पेट को रखे साफ, ब्लड प्रेशर रखे दुरुस्त, लेकिन अति न खाये

नयी दिल्ली। कटहल गर्मी और बरसात में मिलने वाला पौष्टिक फल है। इसे स्वाद के

साथ 'न्यूट्रिशन का खजाना' भी माना जाता है। इसमें फाइबर, विटामिन सी, पोटेशियम, मैग्नीशियम और कई तरह के एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो पाचन, इम्यूनिटी और हार्ट हेल्थ को दुरुस्त रखते हैं। 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फूड साइंस' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, कटहल में प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स और फाइटोकेमिकल्स (पौधों से मिलने वाले तत्व) होते हैं। इनमें ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर में इंफ्लेमेशन कम करने, बैक्टीरिया से लड़ने और कैंसर का रिस्क कम करने में मदद कर सकते हैं। हालांकि हर पौष्टिक चीज सभी लोगों के लिए फायदेमंद हो, यह जरूरी नहीं है। कुछ लोगों को कटहल से एलर्जी या पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए आज कटहल के हेल्थ बेनिफिट्स की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-एक दिन में कितना कटहल खाना सुरक्षित है? किन लोगों को कटहल नहीं खाना

चाहिए? समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर- 'वनडाइडटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- कटहल में कौन-से पोषक तत्व होते हैं?जवाब- कटहल में फाइबर, विटामिन ए,सी, पोटेशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम और थोड़ी मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट और फाइटोकेमिकल्स भी होते हैं, जो शरीर को फ्री-रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। 100 ग्राम कच्चे कटहल की न्यूट्रिशनल वैल्यू देखिए-सवाल- कटहल खाने के क्या हेल्थ बेनिफिट्स हैं? जवाब- सीनियर डाइटीशियन डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि कटहल में मौजूद फाइबर कब्ज से राहत दिलाने और आंतों को

हेल्दी रखने में मदद करता है। इसमें मौजूद विटामिन सी इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करता है और

संक्रमण से बचाने में मदद करता है। कटहल में पोटेशियम होता है, जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद करता है। इससे हार्ट डिजीज का जोखिम भी कम होता है।इसमें कई एंटीऑक्सिडेंट और फाइटोकेमिकल्स होते हैं, जो सेल्स को डैमेज होने से बचाते हैं और इंफ्लेमेशन कम करने में मदद करते हैं। इसमें विटामिन ए और कॅरोटेनॉयड्स (एंटीआक्सिडेंट) होते हैं, जो आई हेल्थ को सपोर्ट करते हैं। मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे मिनरल्स बोन हेल्थ को सपोर्ट करते हैं।

इसमें पर्याप्त मात्रा में कार्बोहाइड्रेट होता है, जो शरीर को एनर्जी देता है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम मसल्स और नर्वस सिस्टम के सही कामकाज में मदद करता है। कटहल के 12 हेल्थ बेनिफिट्सः- पाचन को बेहतर बनाए। कब्ज से राहत दिलाए। ब्लड शुगर कंट्रोल में रखे। ब्लड

प्रेशर कंट्रोल में रखे। पेट देर तक भरा रखे। वजन घटाने में मदद करे। इम्यूनिटी को सपोर्ट

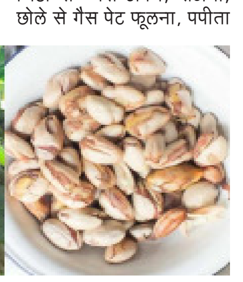

करे। इंफ्लेमेशन कम करे। हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद। एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर है। हड्डियों को मजबूत बनाए। स्किन, हेयर के लिए फायदेमंद।सवाल- क्या कच्चे व पके कटहल की न्यूट्रिशनल वैल्यू एक बराबर होती है और क्या दोनों ही फायदेमंद हैं?जवाब-

नहीं, कच्चे और पके कटहल की न्यूट्रिशनल वैल्यू एक जैसी नहीं होती। दोनों में फाइबर, विटामिन और मिनरल्स होते हैं, लेकिन उनकी मात्रा और शरीर पर प्रभाव थोड़ा अलग हो सकता है। कच्चे कटहल में स्टार्च और फाइबर ज्यादा होता है। इसलिए यह पेट को लंबे समय तक भरा रखता है।इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिसका मतलब है कि यह ब्लड शुगर को तेजी से नहीं बढ़ाता है। कटहल पकने पर स्टार्च शुगर में बदल जाती है। इसलिए इसमें नेचुरल शुगर (फ्रुक्टोज और ग्लूकोज) की मात्रा ज्यादा होती है। कच्चा कटहल सब्जी के रूप में खाया जाता है, जबकि पका कटहल फल के रूप में। दोनों में विटामिन सी, पोटेशियम और एंटीऑक्सिडेंट होते हैं। इसलिए दोनों सेहत के लिए फायदेमंद हैं। हालांकि कौन-सा ज्यादा फायदेमंद है, यह व्यक्ति की जरूरत पर निर्भर करता है। वेट और ब्लड शुगर कंट्रोल करने वालों के लिए कच्चा कटहल बेहतर विकल्प है, जबकि पका कटहल एनर्जी और पोषक तत्वों का अच्छा सोर्स है। सवाल- कच्चा या पका कटहल खाने के बाद कौन-सी चीजें नहीं खानी चाहिए? जवाब-

कटहल के साथ गलत फूड कॉम्बिनेशन से पाचन संबंधी परेशानी हो सकती है। कटहल के साथ कौन-सी चीजें नहीं खानी चाहिए- कटहल खाने के बाद न खाएं ये चीजेंः- दूध और

डेयरी प्रोडक्ट से गैस, ब्लोटिंग, भिंडी से गैस अपच, राजमा, छोले से गैस पेट फूलना, पपीता

से डाइजेस्टिव प्रॉब्लम्स, शहद से डाइजेस्टिव प्रॉब्लम्स, पान से डाइजेस्टिव प्रॉब्लम्स। सवाल- कटहल को अपनी डाइट में कैसे शामिल कर सकते हैं? जवाब- कटहल को कच्चा और पका, दोनों रूपों में खा सकते हैं। पका कटहल वैसे ही स्वादिष्ट लगता है, वहीं कच्चे कटहल की ढेरों

रेसिपीज पॉपुलर हैं। जैसेकि- कच्चे कटहल की मसालेदार सब्जी बना सकते हैं। कच्चे कटहल का इस्तेमाल पुलाव और बिरयानी जैसी डिश में कर सकते हैं। उबले हुए कच्चे कटहल से कटलेट, कबाब या टिक्की बना सकते हैं। कटहल की पकौड़ी भी कई जगहों पर पॉपुलर है। कच्चे कटहल का कोफ्ता और अचार बना सकते हैं। इसे सांभर या दाल में भी डाल सकते हैं। कटहल के बीजों को उबालकर या भूनकर खा सकते हैं। बीजों को सब्जी या करी में डालकर भी खाया जा सकता है। वहीं पके कटहल को सीधे स्नैक या नाश्ते में खा सकते हैं। पके कटहल का फ्रूट सलाद बना सकते हैं। उसमें अन्य फल भी मिला सकते हैं। कटहल यूं तो बहुत पौष्टिक है, लेकिन पचने में थोड़ा भारी होता है। इसे ज्यादा खाने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए हमेशा संतुलित मात्रा में खाएं। जिन्हें एलर्जी है, वो बिल्कुल न खाएं। सवाल- क्या ज्यादा कटहल खाने के नुकसान भी हैं? जवाब- हां, इसे ज्यादा मात्रा खाने से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। जैसेकि- कटहल में फाइबर होता है। इसे ज्यादा खाने से गैस, पेट फूलना, अपच या पेट में भारीपन महसूस हो सकता है। कुछ लोगों को कटहल से एलर्जी हो सकती है। इसके कारण खुजली, स्किन रैश, सूजन या सांस लेने में परेशानी हो सकती है। पके कटहल में नेचुरल शुगर होती है। ज्यादा मात्रा में खाने से ब्लड शुगर बढ़ सकती है। इसलिए डायबिटिक लोगों को कम मात्रा में खाना चाहिए। ज्यादा मात्रा में पका कटहल खाने से वजन बढ़ सकता है। इसलिए कटहल

संतुलित मात्रा में खाना चाहिए। सवाल- किन लोगों को कटहल नहीं खाना चाहिए? जवाब- कुछ लोगों को कटहल खाने से बचना चाहिए या डॉक्टर की सलाह से ही खाना चाहिए। कटहल किन्हें

नहीं खाना चाहिए? जिन्हें कटहल से एलर्जी है। जिन्हें किडनी डिजीज है। जिन्हें डाइजेस्टिव इश्यू है। जिनकी हाल ही में सर्जरी हुई है। ध्यान रखें जिनकी रेगुलर दवाई चल रही है। प्रेग्नेंट / ब्रेस्टफीड कराने वाली महिलाएं कम खाएं। डायबिटिक लोग पका कटहल कम खाएं। सवाल- एक दिन में कितना कटहल खाना सुरक्षित है? जवाब- इसकी कोई एक तय मात्रा नहीं है। लेकिन एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए एक दिन में लगभग 1-2 कप (150-300 ग्राम) कटहल खाना आमतौर पर सुरक्षित माना जाता है। पहली बार खा रहे हैं या पाचन संबंधी समस्या रहती है, तो कम मात्रा से शुरुआत करें। एक बार में ज्यादा कटहल खाने से गैस, ब्लोटिंग या अपच हो सकती है। कटहल पौष्टिक है, लेकिन किसी भी फल की तरह इसे भी संतुलित मात्रा में ही खाना चाहिए।

नौकरी के लिए कम्युनिकेशन के साथ क्रिटिकल थिंकिंग और चिंतन भी जरूरी है

मेरे सामने 22 लोग थे और सामने मैं अकेला खड़ा था। दो

मिनट पहले प्रोफेसर-इंचार्ज ने अपनी बात खत्म की थी, जिसमें उन्होंने कहा कि 'यह आपका आखिरी मौका है। अगर नौकरी पाना चाहते हो तो अगले सात दिन कुछ कौशल सीखने होंगे।' मेरी ओर इशारा करके उन्होंने कहा कि 'हमने कम्युनिकेशन स्किल्स और क्रिटिकल थिंकिंग के लिए सबसे अच्छा व्यक्ति बुलाया है। यही दो वजहें हैं, जिनके कारण आपको मनचाही नौकरी नहीं मिली।' उनकी बात सुनकर मुझे अंग्रेजी का एक शब्द याद आया- 'ट्रूइज़्म'। यानी ऐसे विचार, वाक्यांश या विषय, जो बार-बार दोहराए जाने से अपना असर और ताजगी खो चुके। मैं उनके चेहरों को पढ़ सकता था, जो चुप रह कर भी मेरे कानों में बहुत कुछ कह रहे थे। मैंने दो छात्रों की ओर इशारा करके कहा, 'क्या आप दोनों सोच रहे हो कि यह कितना उबाऊ और बनावटी है?' दोनों ने झेंपते हुए मुस्कराकर सिर हिला दिया। मैंने पूछा, 'आपको क्या लगता है, मैंने वही शब्द कैसे जान लिए, जो आपके दिमाग में चल रहे थे?' मैंने पूछा, 'जल्दी बताओ आपके मन में कौन-से शब्द आए? 'मुझे नहीं पता' या 'हमें कैसे पता?' संयोग से आप दोनों ने दूसरा वाला सोचा था। वे फिर मुस्कराए और साथ में मैं भी जोर से हंस पड़ा। उनके शब्दों में खुद का मजाक उड़ाने की मेरी क्षमता ने उन्हें सहज कर दिया। मेरा आत्मविश्वास बढ़ा और मैंने कहा कि 'अगर आप फिर सोच रहे हो कि मुझे कैसे पता चला तो मेरा जवाब है कि मैं आप सबकी

ऊर्जा, भावना, झिझक, खामोशी और बॉडी बिहेवियर पर अधिक ध्यान देता हूं। इस दुनिया में आप जैसे बहुत लोग हैं, जो बाहर जितना दिखाते हैं, उससे कहीं ज्यादा अपने भीतर लिए घूमते हैं। दूसरे लड़के की तरफ इशारा करके मैंने कहा कि 'जो व्यक्ति हंस रहा हो, वह सबसे ज्यादा तनावग्रस्त हो सकता है।' फिर सबसे दूर बैठे व्यक्ति को दिखाते हुए कहा कि 'कोई शांत व्यक्ति बहुत गहरी सोच में हो सकता है।' जब आप लोगों के साथ ज्यादा काम करते हैं तो आपको पता चलता है कि बहुत कम मामलों में कम्युनिकेशन का शब्दों से कोई लेना-देना होता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि अगर आप सच में कम्युनिकेशन और क्रिटिकल थिंकिंग सीखना चाहते हैं तो चिंतन का अभ्यास सबसे सही तरीका है। अब तो इंटरव्यू के पैटर्न तक बदल रहे हैं। रिक्रूटर्स पूछने लगे हैं कि 'आपने अपनी यूनिवर्सिटी या पिछली नौकरी में ऐसा क्या सीखा, जो हमारी कंपनी के नवसृजित पद पर आपको सफल करेगा?' पहली नौकरी के लिए आवेदन करने वाले स्टूडेंट या नौकरी बदलना चाह रहे लोगों से सोच-समझकर जवाब देने की उम्मीद की जाती है। और ऐसे समझदारी भरे जवाब देने के लिए जो गुण जरूरी है- वह है 'चिंतन'। ज्यादातर सेंटर ऑफ डेवलपमेंट खास पेशों के लिए सीमित कौशल सिखाते हैं, ताकि लोग यूनिवर्सिटी खत्म करके पहली नौकरी हासिल कर सकें। लेकिन जब वे अपने हर अनुभव पर चिंतन की क्षमता विकसित कर लेते हैं तो वे अचानक परिपक्व दिखाई देने लगते हैं। लिंक्डइन का अनुमान है कि वर्कफोर्स में आज प्रवेश कर रहे लोगों के करियर में नौकरियों की संख्या उन लोगों की तुलना में दोगुनी होगी, जिन्होंने 15 साल पहले शुरुआत की थी। कुछ हद तक ऐसा इसलिए है, क्योंकि युवा ग्रेजुएट्स कामकाजी दुनिया में आगे बढ़ने के लिए ट्रांसफरेबल स्किल्स विकसित कर रहे हैं। वे आसपास के लोगों को भी अपने वर्कप्लेस पर अधिक तेज बने रहने में योगदान देंगे। और इस कौशल को ट्रांसफर करने के लिए 'चिंतन' सबसे बड़ा जरिया बनता है। फंडा यह है कि जब स्टूडेंट्स को अपनी सीख को व्यवहार में उतारने के मौके मिलते हैं तो वे स्कूल, कॉलेज और इंटर्नशिप से कहीं बेहतर तैयारी के साथ निकलते हैं, फिर भले ही वो कोई भी रास्ता चुनें। क्योंकि, चिंतन करने से वो जरूरी कौशल उनके डीएनए में शामिल हो जाते हैं। एन. रघुरामन

दुनिया में देश की अच्छी छवि पेश करना भी हमारा फर्ज है

किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारतीय पर्यटकों के बारे में सर्च कर लीजिए, विदेश यात्राओं के दौरान उनके

व्यवहार, या कहें दुर्व्यवहार के अनेक वीडियो सामने आ जाएंगे। एक समूह चीन की दीवार पर उत्सवी परिधान पहनकर गरबा कर रहा है। दूसरा वियतनाम में हनोई की प्रसिद्ध ट्रेन स्ट्रीट पर शाहरुख खान के गीत 'छैंया छैंया' पर नाच रहा है। एक ग्रुप वियतनाम के ही एक एयरपोर्ट में रनवे के समीप की सड़क पर डांस कर रहा है, जिससे वहां का सुरक्षा स्टाफ परेशान नजर आता है। जबकि एक अन्य, अर्जेंटीना और ब्राजील की सीमा पर स्थित इगुआजु फॉल्स की बोट सफारी करते हुए 'इंडिया, इंडिया' के नारे लगा रहा है। इससे पहले उन्हीं लोगों ने नाव में चढ़ते वक्त कतार तोड़ने की कोशिश में धक्का-मुक्की भी की थी। पेरिस, लंदन, बैंकॉक, बाली तक ऐसे कई उदाहरण आपको दिख जाएंगे। विरले ही ऐसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल बचे होंगे, जहां भारतीय पर्यटकों ने व्यवस्था में खलल न डाला हो। एक वक्त था, जब विदेशों में अपने अक्खड़ रवैये के कारण अमेरिकी पर्यटकों को 'द अग्ली अमेरिकन' कहा जाने लगा था। लगता है भारतीयों पर भी वैसा ही ठप्पा लगने जा रहा है, क्योंकि उनमें से कई स्थानीय भावनाओं की अनदेखी करते पाए जा रहे हैं। यह कहना सही नहीं होगा कि सभी भारतीय पर्यटक ऐसा दुर्व्यवहार करते हैं। असल में तो यात्रा-शिष्टाचार के उल्लंघन को लेकर सोशल मीडिया पर जो नाराजगी दिखाई देती है, वह ज्यादातर भारतीय ही जताते हैं। क्योंकि उन्हें डर है कि मुट्ठीभर लोगों के बिगड़ैल रवैये से न केवल विदेशों में भारत की छवि बिगड़ती है, बल्कि उनके लिए भी माहौल खराब होता है। लेकिन उनके चिंता जताने के बावजूद भारतीय पर्यटकों को लेकर ऐसी कहानियां सामने आती रहती हैं कि वे कीमतों को लेकर उग्र होकर मोलभाव करते हैं, वेटरों और दुकानदारों से रूखेपन से बात करते हैं और यहां तक कि होटलों से साबुन, तौलिया जैसी चीजें भी चुरा लाते हैं। हाल ही में उद्योगपति हर्ष गोयनका ने 'एक्स' पर अपने साथ हुई ऐसी शर्मनाक घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि ऐसे व्यवहार के कारण 'ब्रांड इंडिया' को कैसी शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि स्विट्जरलैंड के पर्यटन स्थल ग्स्टाड के एक होटल में भारतीय पर्यटकों के लिए विशेष नियमों की सूची देखकर वे हैरान रह गए। होटल के हर कमरे में लगे नोटिस में भारतीयों के लिए चेतावनी थी कि वे मुफ्त ब्रेकफास्ट बुफे से खाना बाहर न ले जाएं। सिर्फ उपलब्ध कराई गई कटलरी ही इस्तेमाल करें और बालकनी तथा गलियारों में शोर न मचाएं। उन्होंने एक और घटना बताई कि एक भारतीय कारोबारी किसी साल दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में गए और रेस्तरां में इतना तेज पंजाबी म्यूजिक बजाने लगे कि पूरा शहर सुन ले। वे इसे भारत की 'सॉफ्ट पावर' का प्रदर्शन बता रहे थे। असल बात यह है कि देश में रहकर सिविक सेंस की जो कमी हम प्रदर्शित करते हैं, वो अब विदेश में भी नजर आने लगी है। रोजाना हम देखते हैं कि हवाई जहाजों और रेस्तरां में बच्चों को उछल-कूद मचाने दिया जाता है। माता-पिता दूसरों को हो रही परेशानी से बेखबर बैठे रहते हैं। लोग सड़क पर चॉकलेट के रैपर और चिप्स के खाली पैकेट फेंक देते हैं। सोमवार को किसी सार्वजनिक पार्क में जाइए, जहां परिवारों ने रविवार को पिकनिक मनाई हो। जगह-जगह कागज की प्लेटें, गिलास और जूठन तक बिखरी होती है, जबकि वहां बाकायदा कूड़ेदान लगे होते हैं। कई देशों में, खासकर विकसित देशों में, बुनियादी सिविक सेंस स्कूलों से ही सिखाया जाता है और घरों में उसका पालन कराया जाता है। लेकिन लगता है कि शायद हमने अच्छे नागरिक बनने के महत्व को भुला दिया है। थाईलैंड ने अवांछित पर्यटकों को छांटने के लिए वीसा नीति में बदलाव किया है। उसने 93 देशों के लिए वीसा-मुक्त प्रवेश समाप्त कर दिया है और भारत भी उनमें शामिल है, जबकि भारत से सर्वाधिक पर्यटक थाईलैंड जाते हैं। आज भारतीयों की वैश्विक मौजूदगी बढ़ी है। पर इसका यह भी मतलब है कि हमारे पर्यटकों की निगरानी अधिक होती है। ऐसे में हमारा फर्ज बनता है कि हम अपनी और अपने देश की बेहतर छवि पेश करें। आखिरकार, पर्यटक भी राजनयिकों की भांति ही भारत के प्रतिनिधि हैं। आज भारतीयों की वैश्विक मौजूदगी बढ़ी है। इसका यह भी मतलब है कि हमारे पर्यटकों की निगरानी अधिक होती है। ऐसे में हमारा फर्ज है कि हम देश की बेहतर छवि पेश करें। पर्यटक भी राजनयिकों की भांति भारत के प्रतिनिधि हैं।(ये लेखिका के अपने विचार हैं,आरती जेरथ)

सूझबूझ इसी में कि हम पड़ोसियों के साझेदार बनें

एक प्रमुख शक्ति के रूप में भारत का उदय स्थिर और सहयोगी पड़ोस की अपेक्षा करता है। कोई भी देश अपने आस-पड़ोस के स्ट्रैटेजिक परिवेश का

प्रबंधन किए बिना दुनिया में दबदबे का दावा नहीं कर सकता। 1985 में सार्क की स्थापना के पीछे यही तर्क था। किंतु 2016 में पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के कारण इस्लामाबाद में प्रस्तावित 19वें शिखर सम्मेलन के रद्द होने के बाद से यह संगठन निष्प्राण-सा हो गया है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जब देशों ने अपनी आपसी प्रतिद्वंद्विताओं को पीछे छोड़कर क्षेत्रीय सहयोग की संस्थाओं का निर्माण किया। ऐसी संस्थाएं इसलिए अस्तित्व में आईं, क्योंकि नेताओं ने यह समझ लिया था कि भूगोल एक स्थायी हकीकत है, जबकि संघर्ष महज एक विकल्प है। चुनौती यह थी कि भौगोलिक निकटता को तनाव के स्रोत से बदलकर सामूहिक तरक्की के साधन में बदला जाए। इसका सबसे उल्लेखनीय उदाहरण ईयू है। ब्रिटेन और फ्रांस सदियों तक प्रतिद्वंद्वी रहे। जर्मनी ने इन दोनों के विरुद्ध विनाशकारी युद्ध लड़े। यूरोप राष्ट्रीय पहचानों की रक्षा को लेकर अत्यधिक संवेदनशील था। फिर भी, विश्वयुद्धों की त्रासदी के बाद यूरोप ने धीरे-धीरे महसूस किया कि समृद्धि और सुरक्षा का मार्ग टकराव नहीं, बल्कि सहयोग से होकर जाता है। परिणामस्वरूप एक ऐसी प्रक्रिया आरंभ हुई, जो अंततः ईयू के रूप में विकसित हुई। यह आधुनिक इतिहास में क्षेत्रीय एकीकरण के सबसे सफल उदाहरणों में से एक है।अफ्रीकी संघ का उदय भी उन सीमाओं के बावजूद हुआ था, जिन्हें औपनिवेशिक शक्तियों ने मनमाने ढंग से निर्धारित किया था। वहां जातीय संघर्ष तथा अंतर-राज्यीय विवाद भी थे। आसियान भी ऐसे देशों को एक मंच पर लाया, जो पहले पारस्परिक अविश्वास और संघर्ष के अनुभव से गुजर चुके थे। इंडोनेशिया और मलेशिया 1960 के दशक में कोनफ्रोंतासी संघर्ष में उलझे थे। 1965 में मलेशिया से सिंगापुर का अलगाव कटु परिस्थितियों में हुआ था। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच लंबे समय से सीमा-विवाद थे। फिर भी, आसियान एक अत्यंत प्रभावी क्षेत्रीय मंच के रूप में विकसित हुआ, क्योंकि उसके सदस्य देशों ने यह समझ लिया था कि आर्थिक विकास और सामरिक स्थिरता का सर्वोत्तम मार्ग सामूहिक प्रयासों से होकर जाता है। इसी प्रकार, अमेरिकी राष्ट्रों का संगठन (ओएएस) भी उन देशों के बीच स्थापित हुआ, जिनका इतिहास क्षेत्रीय विवादों, वैचारिक विभाजनों और राजनीतिक अस्थिरता से भरा हुआ था। इन सभी उदाहरणों में एक महत्वपूर्ण तत्व साझा सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों का अस्तित्व था। यही तर्क दक्षिण एशिया पर भी समान रूप से लागू होता है। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद दक्षिण एशिया में गहन सभ्यतागत एकता विद्यमान रही है। इस क्षेत्र के लोग इतिहास, भाषा, धर्म, भोजन, संस्कृति, साहित्य, संगीत और पारिवारिक-सामाजिक संबंधों के ऐसे नेटवर्कों से जुड़े हैं, जिनका अस्तित्व आधुनिक राष्ट्र-राज्यों के उदय से बहुत पहले से रहा है। लेकिन अफसोस कि सार्क की प्रगति भारत और पाकिस्तान के तनावपूर्ण संबंधों की बंधक बनकर रह गई। दशकों से चले आ रहे अविश्वास ने सामूहिक पहलों को पंगु बना दिया। चीन ने भी क्षेत्रीय विभाजनों का लाभ उठाकर अपने सामरिक हितों को आगे बढ़ाने के अवसर देखे। इसके बावजूद सार्क के पीछे निहित तर्क आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दक्षिण एशिया के साथ भारत का संबंध केवल भौगोलिक ही नहीं, सभ्यतागत भी है। बौद्ध धर्म के माध्यम से भारत और श्रीलंका के संबंध गहरे हैं। नेपाल के भारत के साथ सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध स्थायी हैं। बांग्लादेश भारत के साथ गहरे भाषाई, ऐतिहासिक और भावनात्मक संबंध साझा करता है। यहां तक कि पाकिस्तान के साथ भी हमारा साझा इतिहास, संस्कृति, भाषा, साहित्य और संगीत की सदियों पुरानी विरासत मानवीय संबंधों का एक सशक्त आधार प्रदान करती है। समाधान सार्क को त्यागने में नहीं, बल्कि धैर्य और व्यावहारिकता के साथ उसे पुनर्जीवित करने में है। विश्वास रातों-रात निर्मित नहीं किया जा सकता। किंतु जब लोग व्यापार, पर्यटन, शैक्षिक आदान-प्रदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, परस्पर संपर्क, ऊर्जा सहयोग आदि के माध्यम से सहयोग के लाभों का प्रत्यक्ष अनुभव करते हैं, तब वे स्वयं उस सहयोग के पैरोकार भी बन जाते हैं। एक उभरती हुई प्रमुख शक्ति के रूप में भारत के लिए पहली प्राथमिकता अपने निकटवर्ती पड़ोस को मजबूत बनाना होना चाहिए। दक्षिण एशिया के भूगोल ने हमें पड़ोसी बनाया है। लेकिन सूझबूझ इसी में है कि हम सहयोगी भी बनें। भूगोल एक स्थायी हकीकत है, जबकि संघर्ष महज एक विकल्प है। ऐसे में चुनौती यह है कि भौगोलिक निकटता को तनाव के स्रोत से बदलकर सामूहिक तरक्की के साधन में बदला जाए। इतिहास भी यही सबक सिखाता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,पवन के. वर्मा)

पाक की नियति बन चुकी है भुलावे में रहना

भारत के साथ पाकिस्तान के युद्ध का इतिहास कैसा रहा है? सामरिक रूप से ठीक, लेकिन रणनीतिक रूप से नुकसानदायक। यही वजह है कि वह पूरी ताकत से शुरुआत करने के बावजूद हर युद्ध हारता है। लेकिन 1971 और

कारगिल युद्ध को छोड़कर उसने ज्यादातर युद्धों में जीत का दावा किया है। गत वर्ष की 87 घंटे की मुठभेड़ को ही देख लीजिए। मुनीर से लेकर पाकिस्तान की राजनीति के सबसे निचले स्तर तक पूरा पाकिस्तान मानता है कि इस बार जीत उसकी हुई; कि इसके बाद अमेरिका ने उसे फिर गले लगाया और इसे उसकी खुद की घोषित 'जीत' की मंजूरी माना गया। जबकि हकीकत यह है कि पहलगाम हत्याकांड के सिर्फ चार दिन पहले और ऑपरेशन सिंदूर के करीब दो हफ्ते पहले स्टीव विटकॉफ के बेटे जाक का दौरा और क्रिप्टो सौदा हो चुका था। मुनीर को मालूम था कि भारत पहलगाम का जवाब देगा। इसलिए उन्होंने ट्रम्प परिवार के लालच का फायदा उठाने की चाल पहले ही तैयार कर ली थी। दुनिया में अधिकतर लोगों से पहले इस बात को समझने के लिए आप मुनीर की तारीफ कर सकते हैं या हो सकता है कि सऊदी अरब ने उन्हें पहले ही सावधान कर दिया हो। लड़ाई शुरू होने से पहले ही उन्होंने ट्रम्प के 'सिस्टम' को अपने पक्ष में कर लिया था। एक हफ्ते पहले, 16 अप्रैल 2025 को विदेश में बसे पाकिस्तानियों को दिए उनके भाषण ने इसका संकेत दे दिया था। वह हत्याकांड भारत की जवाबी कार्रवाई देखने की उनकी योजना का हिस्सा था। ट्रम्प को अपने पक्ष में लाकर कश्मीर मुद्दे को उठाना उनका रणनीतिक लक्ष्य था। पहली चाल सफल रही, लेकिन दूसरी पूरी तरह नाकाम रही। पाकिस्तान ने यह जानते हुए भारत को उकसाया था कि भारत जवाब में सैन्य कार्रवाई करेगा, इसलिए उसने यह भी अंदाजा लगाया होगा कि किन जगहों को निशाना बनाया जाएगा। वे यह भी जानते थे कि भारत कौन से हथियार इस्तेमाल करेगा। इसलिए भारतीय वायुसेना ने 7 मई की रात 1 बजकर 7 मिनट पर जब उड़ान भरी, तब वे तैयार थे। अपने अंदरूनी इलाकों में निशानों पर हमलों को वे रोक नहीं पाए, लेकिन यह उनका मकसद भी नहीं था। वे जवाब को हवाई मुठभेड़ तक सीमित रखना चाहते थे। एईडब्ल्यू विमानों और जे-10सी, जेएफ-17 के साथ पीएल-15 मिसाइलों को आगे रखकर इस कार्रवाई का पहले से अभ्यास किया गया था। उन्हें कुछ सफलता मिली और वे इसका जश्न मना रहे थे। भारत में उच्च स्तर पर कुछ विमानों के नुकसान की बात मानी गई है। पूर्व सीडीएस ने इसे 'सामरिक गलती' बताया, लेकिन आईएएफ ने हिसाब बराबर करने की योजना बनाई। सबसे पहले पाकिस्तान के एयर डिफेंस को दबाव में लाने के लिए एंटी-रेडिएशन ड्रोनों से हमला किया गया। और आखिर में पीएएफ के सबसे सुरक्षित हवाई अड्डों पर लगातार हवाई हमले किए गए। पीएएफ का कोई भी विमान, या कितनी भी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल क्यों न हो, जवाब देने के लिए उड़ान नहीं भर सकी। जब तक पाकिस्तान ने संघर्षविराम की मांग की, तब तक सिर्फ एक पक्ष के पास सबूत थे कि दूसरे पक्ष को कितना नुकसान हुआ है : व्यावसायिक उपग्रहों से मिली तस्वीरें बता रही थीं कि पीएएफ के कम-से-कम 13 हवाई अड्डे और तीन रडार नष्ट हो चुके थे। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी जीत का जश्न मना रहा है। एक भारतीय कमांडर ने कहा यह ऐसा ही था, जैसे भारत ने पाकिस्तान को हॉकी मैच में 3-1 से हरा दिया हो। बात इतनी थी कि उनके सेंटर फॉरवर्ड ने गोल किया और हमारे खिलाड़ियों ने तीन पेनल्टी को गोल में बदल दिया। हमें नुकसान पहुंचाने के उनके दावों का कोई सबूत नहीं है। भारत के सभी हवाई अड्डों के पास शहर बसे हुए हैं, कुछ भी छिपा नहीं है, लेकिन कोई उपग्रह तस्वीर सामने नहीं आई है। पाकिस्तान के सभी दावे बेकार हैं। बहरहाल, यहां मैं हाल के इतिहास को दोहराने की कोशिश नहीं कर रहा हूं, बल्कि अपनी मुख्य बात पर जोर दे रहा हूं। वह यह है कि पाकिस्तानी फौजी दिमाग अच्छी तरह सोचता है, लेकिन सिर्फ सामरिक चालों के हिसाब से सोचता है। वह यह अंदाजा नहीं लगा पाता कि भारत किस तरह जवाब देगा। यह अंदरूनी कमजोरी, भारतीय सेना के प्रति अनादर या दोनों का मेल हो सकता है। यह विचार भी हमें पाकिस्तानी लेखक शुजा नवाज की किताब क्रॉस्ड सोर्ड्स से मिला है। कारगिल युद्ध की बात करते हुए उन्होंने लिखा है कि भारत के साथ 'वार गेम' खेल रही पाकिस्तानी टीम ने बिल्कुल सही अनुमान लगाया था कि वाजपेयी सरकार किस तरह जवाब देगी। अगर उसे गंभीरता से लिया जाता, तो पाकिस्तान हार, पीछे हटने और बेइज्जती से बच सकता था, लेकिन उसका मजाक उड़ाया गया। सामरिक दृष्टि से कारगिल युद्ध शानदार था।(ये लेखक के अपने विचार हैं, शेखर गुप्ता)

सिंधी समाज बोला-200 किलो चांदी चंपत राय को दी थी, पर रसीद अब तक नहीं मिली, राम मंदिर में लगनी थीं शिलाए

अयोध्या।चंपत राय ने कहा कि शिलाओं की शुद्धता जांचने के बाद रसीद भिजवा दी जाएगी। यह

भी आश्वासन दिया था कि शिलाओं का कहां उपयोग होगा, हमें बताया जाएगा। आज पांच साल हो चुके हैं, लेकिन ट्रस्ट की ओर से कोई रसीद नहीं दी गई। न कभी किसी का फोन आया और न ही हमारे फोन पर कोई रिस्पांस मिला। चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद मेरे पास समाज के कई लोगों के फोन आ चुके हैं। वे जानना चाहते हैं कि दान की गई 200 किलो चांदी का इस्तेमाल कहां हुआ है।अनीता भारद्वाज नाम की एक महिला ने भी चांदी दान की रसीद न देने के आरोप लगाए हैं। महिला का दावा है कि उसने काकभुशुंडि की चांदी की मूर्ति कारसेवकपुरम में चंपत राय को दी थी। उनसे आग्रह किया था कि राम दरबार में इसे जगह दी जाए। चंपत राय ने कहा था कि अंदर कैमरा मना है। फोटो और रसीद बाद में भेज देंगे। इसके बाद अनीता ने चंपत राय को कई बार चिट्ठी लिखकर रसीद मांगी, लेकिन आज तक नहीं मिली। उस मूर्ति के बारे में भी उन्हें कुछ नहीं बताया गया। राम मंदिर परिसर में कैद हैं 5 संदिग्धः-चढ़ावा चोरी मामले में शुरुआती जांच ट्रस्ट की से ही की गई थी। दावा किया जा रहा है कि ट्रस्ट ने 13 जून तक कई कर्मियों के घर और बताए गए ठिकानों से करीब 2 करोड़ रुपए और जेवर आदि जब्त किए हैं। इसके बाद से ही संदिग्ध अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, अविनाश, करुणेश और मनीष यादव को मंदिर परिसर में ही रखा गया है। इनके मोबाइल भी जब्त कर लिए गए हैं। एसआईटी भी इनसे पूछताछ कर चुकी है। महासचिव चंपत राय के ड्राइवर रह चुके रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव को भी परिसर में रखा गया है। हालांकि, उसे परिसर में कहीं भी आने-जाने की छूट है। वह मोबाइल का भी इस्तेमाल कर रहा है। जबकि, अभी तक टिन्नू को चढ़ावा चोरी मामले का सबसे बड़ा चेहरा बताया जा रहा है। उसके घर से जेवर की बरामदगी की बात भी सामने आई है। मंदिर व्यवस्थापक पहले की तरह मंदिर परिसर में रह रहे हैं। चंपत राय भी मंदिर में ही रह रहे हैं। पहले वे कारसेवकपुरम स्थित विहिप कार्यालय में रहते थे। डॉ. अनिल मिश्रा अपने घर से आ-जा रहे हैं। चढ़ावा चोरी मामले में महासचिव चंपत राय, गणना प्रभारी व ट्रस्ट सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा और व्यवस्थापक गोपाल राव की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। मंदिर के पूर्व लेखाकार महिपाल और पूर्व इंजीनियर दीनानाथ वर्मा दावा कर चुके हैं कि चढ़ावा चोरी और मंदिर निर्माण सामग्री की खरीद में 40फीसदी कमीशन की जानकारी चंपत राय को भी थी। दोनों पूर्व कर्मियों ने उन्हें इस बारे में बताया था। लेकिन, इस पर रोक लगाने के बजाय दोनों कर्मियों को मंदिर के काम से हटा दिया गया। मुंबई के कारोबारी अनिल विश्वकर्मा मंदिर को दान किए गए द्वादश ज्योतिर्लिंग हार और चरण पादुका की रसीद न देने का आरोप चंपत राय पर लगा चुके हैं। एसआईटी अनिल विश्वकर्मा और गुरु आचार्य विनोद मिश्रा का बयान भी दर्ज कर चुकी है। इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन भी चंपत राय पर 60 किलो चांदी की शिलाओं को लेकर सवाल उठा चुका है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हालिया अयोध्या दौरे में चंपत राय समेत तीनों लोगों को कार्यक्रम से दूर रखा था। हालांकि, तीनों लोग 23 जून (मंगलवार) को शेषावतार मंदिर के धर्मध्वजारोहण कार्यक्रम में सक्रिय दिखे। चंपत राय ने कार्यक्रम की अगुआई करते हुए संबोधन तक किया। इसके बाद से दावा किया जा रहा है कि एघ्ऌ की शुरुआती रिपोर्ट में तीनों को क्लीन चिट दे दी गई है।

खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए पीएम मोदी को न्योता,2 करोड़ लोग जनाजे में शामिल हो सकते हैं, 4 तारीख़ से शुरू होंगे समारोह

तेहरान/नई दिल्ली। खामेनेई मशहद में क्यों दफनाए जाएंगेः- खामेनेई का मुख्य अंतिम संस्कार

समारोह तेहरान में होगा, जो कम से कम 24 घंटे तक चलने की उम्मीद है। इसके बाद पार्थिव शरीर को धार्मिक शहर कुम ले जाया जाएगा और फिर मशहद पहुंचाया जाएगा,जहां इमाम रजा के दरगाह परिसर में दफनाया जाएगा। मशहद ईरान का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। यह देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित है और शिया मुसलमानों का सबसे प्रमुख धार्मिक केंद्र माना जाता है। शहर की सबसे बड़ी पहचान इमाम रजा की दरगाह है। इमाम रजा शिया मुस्लिम परंपरा के आठवें इमाम थे। उनका दरगाह दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक स्थलों में शामिल है, जहां हर साल करोड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। खामेनेई को मशहद में दफनाने से उनका नाम शिया इस्लाम के सबसे सम्मानित धार्मिक नेताओं की श्रेणी में और मजबूती से जुड़ जाएगा। आईआरजीसी के पास खामेनेई के अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी- अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम संस्कार में हुई देरी इस्लामी परंपरा के लिहाज से असामान्य मानी जा रही है। आमतौर पर इस्लाम में किसी व्यक्ति को मौत के एक-दो दिन के भीतर दफना दिया जाता है। हालांकि ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, भारी भीड़ की उम्मीद और युद्ध के हालात के कारण अंतिम संस्कार में देरी हुई। तेहरान नगर निगम में सामाजिक और सांस्कृतिक मामलों के उपप्रमुख मोहम्मद अली तवक्कोलीजादेह ने अंतिम संस्कार की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने सरकारी टेलीविजन से कहा कि खामेनेई के लिए तीन दिन का सार्वजनिक जनाजा आयोजित किया जाएगा।अधिकारी ने यह नहीं बताया कि जनाजा कब होगा, लेकिन कहा कि यह इस्लामी कैलेंडर के पहले महीने मुहर्रम की शुरुआत में हो सकता है, जो 21 जून के आसपास में पड़ता है। पूरे कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी आईआरजीसी के पास है। खोमैनी के जनाजे में 1 करोड़ लोग जुटे थेः-ईरान में इस्लामिक गणराज्य के संस्थापक अयातुल्ला रुहोल्लाह खोमैनी के 1989 के जनाजे में करीब 1 करोड़ लोग शामिल हुए थे। यह उस समय ईरान की कुल आबादी का लगभग छठा हिस्सा था। इस कार्यक्रम को आज भी दुनिया के सबसे बड़े जनाजों में गिना जाता है। इतनी भारी भीड़ उमड़ी थी कि भगदड़ मच गई थी। इसमें कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई थी और हजारों लोग घायल हुए थे। इस बार अधिकारी इससे भी बड़ी भीड़ को संभालने और किसी हादसे से बचने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन युद्ध के प्रभाव से उबर रहे देश में इतना बड़ा आयोजन कराना बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

मणिपुर में फिर फांस- मैतेई के बाद कुकी-नगा क्यों भिड़े, 6 अधकटी लाशें, 20 मर्डर, 50 घर जले

इंफाल। 7 फरवरी, 2026 की बात है। मणिपुर के उखरुल जिले के लिटान सरईखोंग गांव में एक नगा टीचर स्कूल से घर जा रहे थे। उन्होंने कुछ लड़कों को सड़क पर बैठकर शराब पीते देखा। टीचर ने स्कूल के पास शराब

पीने से मना किया। आरोप है ये लड़के कुकी समुदाय से थे। उन्होंने टीचर को पीटा और धमकी दी कि जिंदा रहना है, तो उखरुल छोड़ दो। इस मारपीट ने जातीय रंग ले लिया। 8 और 9 फरवरी की रात भीड़ ने लिटान सरईखोंग के आसपास के नगा गांवों में 20 से ज्यादा घर जला दिए। माहौल बिगड़ता देख सरकार ने 10 फरवरी को उखरुल और कांगपोकपी जिलों में इंटरनेट सर्विस सस्पेंड कर दी। दोनों जिलों की सीमाओं पर अब भी सेना का पहरा है। मणिपुर में मई 2023 से मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। बीते 3 साल में ज्यादातर वक्त हिंसा के बीच ही गुजरा। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन हटने के बाद मैतेई-कुकी के बीच लड़ाई थम गई, लेकिन अब कुकी और नगा समुदायों के बीच शुरू हुई हिंसा ने राज्य में तीसरी दरार पैदा कर दी है। 4 महीने से मणिपुर फिर जल रहा है। फरवरी से जून तक 48 लोग किडनैप किए गए, 20 की हत्या कर दी और 50 से ज्यादा घर जला दिए गए। ऐसा ही डर 1992 में था, जब 5 साल चले संघर्ष में एक हजार लोग मारे गए थे। 'कुकी पति को गाड़ी से उठा ले गए, 27वें दिन डेडबॉडी मिली':-10 जून को कुकी-नगा समुदायों के बीच तनाव बढ़ गया, जब खारम वैफेई गांव के पास 6 नगा लोगों के अधकटे शव मिले। इन लोगों को 13 मई को कांगपोकपी से अगवा किया गया था। इनमें दिलीप थियूमई भी थे। दिलीप की पत्नी विनीलियू ने बताया, 'मैं और दिलीप बच्चे के लिए दवा लेने कांगपोकपी बाजार गए थे। लौटते वक्त कुकी लोगों के ग्रुप ने हमारी गाड़ी रोक ली। उन्होंने सभी सवारियों को बाहर निकाला, आंखों पर पट्टी बांधी और अलग-अलग गाड़ियों में बैठाकर ले गए। अगले दिन सारी महिलाओं को छोड़ दिया, लेकिन पुरुषों को नहीं छोड़ा।' 'मैंने बंदूक लिए लोगों से पति के बारे में पूछा, तो उन्होंने गुस्से में कहा कि तुम लोगों ने हमारे 3 पादरियों को मारा है। हम इसका बदला लेंगे। 26 दिन तक मेरे पति का कुछ पता नहीं चला।

10 जून को 6 शव मिले। हमें बॉडी की पहचान के लिए इंफाल अस्पताल बुलाया गया। लाशों पर हर जगह चोट के निशान थे। चेहरा पहचान में नहीं आ रहा था। मैंने कपड़ों से दिलीप की डेडबॉडी को पहचाना।' जॉइंट ट्राइब्स काउंसिल (जेटीसी) और यूनाइटेड नगा काउंसिल (यूएनसी) मणिपुर में नगा समुदाय के सबसे बड़े संगठन हैं। हमने जेटीसी के प्रमुख सदस्य मेराचाओ इंका से बात की। वे बताते हैं कि पुलिस ने 6 लोगों के शव सौंपे थे। हमारे भाइयों को बंधक बनाकर यातनाएं दी गईं। शव लेने से पहले हमने सरकार के सामने तीन मांगें रखी हैं। 1. अपहरण में शामिल लोगों, खासकर कुकी नेशनल फ्रंट के कैडर पर सख्त कार्रवाई हो, उन पर प्रतिबंध लगे। 2. महिला संगठन की प्रमुख लालबाई वैफेई और मणिपुर पुलिस के कर्मी थांगिलियन ने हमारे लोगों के अपहरण का आदेश दिया। उन्हें गिरफ्तार किया जाए। 3. मारे गए लोगों के परिवार को आर्थिक मदद मिले, उनके बच्चों की पढ़ाई फ्री की जाए। 1992 का कुकी-नगा टकराव याद आया, तब 1 हजार लोग मारे गए थेः-मणिपुर की आबादी में करीब 24फीसदी नगा हैं। ये ज्यादातर पहाड़ी जिलों उखरुल, सेनापति, चंदेल, तेंगनौपाल और तमेंगलोंग में बसे हैं। मैतेई-कुकी संघर्ष से ये समुदाय दूर ही रहा। शांति बहाली के बाद 4 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन खत्म हुआ और नई सरकार बनी। युमनाम खेमचंद सिंह सीएम बने। तीन दिन बाद यानी 7 फरवरी से मणिपुर में नगा-कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़क गई। असम राइफल्स से जुड़े सीनियर अधिकारी ने भास्कर को बताया, 'बीते 40 दिनों में हुईं हिंसक घटनाओं को देखते हुए हमारी चिंता मैतेई-कुकी संघर्ष से हटकर नगा-कुकी की नई लड़ाई की तरफ मुड़ गई है।' फ्रंटियर मणिपुर के संपादक धीरेन सदोकपम इस पर कहते हैं, 'मणिपुर में नगा और कुकी के बीच संघर्ष का लंबा इतिहास रहा है। दोनों समुदायों के बीच आखिरी टकराव 1992 में हुआ था।

ये 5 साल तक चला। लगभग 1 हजार लोग मारे गए थे। हजारों लोगों को बेघर होना पड़ा था। हिंसा नहीं रुकी, तो उससे भी बदतर हालात हो सकते हैं।' वजह पूछने पर धीरेन कहते हैं, 'बड़ी वजह स्थानीय घुसपैठ है। घाटी से विस्थापन के बाद कुकी समुदाय के कई लोग पहाड़ियों पर चले गए। वहां पहले से नगा बहुल गांव थे। कुकी के पास अपने ग्रुप और हथियार हैं। इससे पहाड़ों पर उनका प्रभाव बढ़ रहा है। ये देखकर नगा समुदाय में चिंता बढ़ गई है। इसलिए छोटे विवाद भी बड़े टकराव में बदलने लगे हैं।' कुकी लीडर बोले- हमारे खाने की सप्लाई रोकी, नगा-मैतेई हालात और बिगाड़ेंगे-कांगपोकपी जिले में बिगड़ते हालात पर कुकी लीडर महंगाई और खाने-पीने की किल्लत को बड़ा फैक्टर मानते हैं। एक लीडर ने पहचान उजागर न करने की शर्त पर बात की। वे बताते हैं कि कांगपोकपी और चुराचांदपुर में जरूरी चीजें बहुत महंगी हो गई हैं। गैस और पेट्रोल नहीं मिल रहा। गैस सिलेंडर 5 हजार रुपए तक बिक रहा है। तंगखुल समुदाय के लोगों ने कुकी इलाकों में जाने वाले खाने-पीने के सामान की सप्लाई रोक दी है। इससे लोगों को बहुत मुश्किल हो गई। उधर, कुकी स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन के लीडर रूबोल मणिपुर के विवाद में नगा और मैतेई समुदाय के साथ होने का दावा करते हैं। वे कहते हैं- 'दोनों समुदाय पहले से मिले हुए हैं। नगा और मैतेई की वजह से हालात और खराब हो सकते हैं। हम अपना बचाव करके चल रहे हैं। सरकार से मदद की उम्मीद है, लेकिन अब तक हमारे लिए कुछ किया नहीं गया।' नगा समुदाय का आरोप है कि सुरक्षाबल कुकी लोगों को बचा रहे हैं? रूबोल जवाब देते हैं, 'सेना किसी एक का पक्ष नहीं ले रही। वो बस बीच-बचाव करने की कोशिश कर रही है। हमें सुरक्षा बलों से ही रिपोर्ट मिली है कि खोपूम घाटी में 200 से 300 लोग कुकी इलाकों पर हमला करने की तैयारी में हैं।

' अब तक 10 गिरफ्तारी, कांगपोकपी, इंफाल और चुराचांदपुर में एनआईए एक्टिवः-कुकी-नगा समुदायों के बीच हिंसा पर मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने यूनाइटेड नगा काउंसिल और कुकी समुदाय के डेलिगेशन के साथ बैठक की। उन्होंने 6 नगा और मई 2026 में कांगपोकपी में 3 पादरियों की हत्या की जांच एनआईए को सौंपी दी।

उखरुल और कांगपोकपी जिलों में सेना के सर्च ऑपरेशन का हिस्सा रहे सीआरपीएफ के सीनियर अधिकारी कहते हैं, 'डेडबॉडी मिलने के बाद मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स और सीआरपीएफ ने कांगपोकपी, इंफाल और चुराचांदपुर में जॉइंट ऑपरेशन चलाया।

10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।' एनआईए के मुताबिक, ये गिरफ्तारियां इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, चुराचांदपुर, उखरुल, चंदेल और फेरजॉल जिलों से की गई हैं। नवंबर 2024 में जिरीबाम में एक महिला की हत्या, जून 2024 में इंफाल से जिरीबाम जाते समय पूर्व सीएम एन बीरेन सिंह के काफिले पर हमले और नवंबर 2023 में उखरुल में बैंक डकैती के मामले में भी अरेस्टिंग की गई है।

ट्रम्प बोले- हर तरफ मिसाइलें चल रही थीं पर ईरानी स्कूल पर अमेरिकी मिसाइल गिरने के साक्ष्य नहीं- जिम्मेदार का पता लगाना मुश्किल

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के मिनाब गर्ल्स स्कूल पर

हुए हमले में अमेरिकी मिसाइल के इस्तेमाल से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि उस वक्त हर तरफ मिसाइलें दागी जा रही थीं, इसलिए शायद कभी यह पता नहीं चल पाएगा कि हमले के लिए जिम्मेदार

कौन था।ट्रम्प ने कहा, 'किसी ने कहा कि यह हमारी मिसाइल थी, लेकिन हो सकता है कि वह हमारी मिसाइल न हो। मैंने ऐसा कोई सबूत नहीं देखा, जिससे लगे कि यह हमला हमने किया था।' हालांकि 10 दिन पहले ही ट्रम्प ने इस घटना को गलती बताया था और कहा था कि स्कूल को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया गया। मार्च में आई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सेना की शुरुआती जांच में हमले के पीछे अमेरिकी फोर्सेस का रोल होने की आशंका जताई गई थी। हालांकि पेंटागन ने अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और जांच जारी है। ईरान के मुताबिक, 28 फरवरी को मिनाब के गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में 175 से ज्यादा बच्चों और शिक्षकों की मौत हुई थी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (यूएनएचआरसी) ने इस हमले को भयावह बताया था। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्सः- 1. कच्चा तेल 70 डॉलर से नीचे आयाः अमेरिकी कच्चे तेल (डब्लूटीआई) की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई। ब्रेंट क्रूड भी गिरकर 73.50 डॉलर पर पहुंच गया, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार को राहत मिली है। 2. तेल कंपनियों को ट्रम्प की धमकीः ट्रम्प ने अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट को तेल कंपनियों की जांच के निर्देश दिए। उनका आरोप है कि कच्चे तेल के दाम घटने के बावजूद कंपनियां ग्राहकों को राहत नहीं दे रहीं।3. खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए मोदी को न्योताः ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का निमंत्रण भेजा है। 4. ट्रम्प ने तेल कंपनियों पर जांच बैठाईः ट्रम्प ने अमेरिकी न्याय विभाग को तेल कंपनियों की जांच के निर्देश दिए। उनका आरोप है कि कच्चे तेल के दाम घटने के बावजूद कंपनियां ग्राहकों को राहत नहीं दे रहीं। 5. ईरान-आईएईए में परमाणु जांच पर मतभेदः आईएईए का कहना है कि उसे ईरान के परमाणु ठिकानों की जांच का अधिकार मिलेगा, जबकि ईरान ने कहा है कि किसी भी निरीक्षण पर फैसला अंतिम समझौते और प्रतिबंध हटने के बाद होगा। इजराइल ने लेबनान से सेना हटाने की खबरों को खारिज किया-इजराइली सैन्य अधिकारियों ने रॉयटर्स की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि इजराइली सेना (आईडीएफ) लेबनान के कुछ इलाकों से पीछे हट गई है। अधिकारियों के मुताबिक, इजराइल सरकार ने अभी सेना को पीछे हटने का कोई आदेश नहीं दिया है। हालांकि, दक्षिणी लेबनान से इजराइली सेना की संभावित वापसी को लेकर इजराइल और लेबनान के बीच सीधी बातचीत हुई है, लेकिन अभी तक इस पर कोई समझौता नहीं हुआ है। लेबनान पर इजराइल का कब्जा बढ़ा-अमेरिका बोला- होर्मुज पर किसी एक देश का दावा नहीं मानेंगे-बहरीन दौरे पर पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि अमेरिका होर्मुज पर किसी एक देश के दावे को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ समझौता चाहता है, लेकिन अमेरिका ऐसी शांति का समर्थन करता है, जो लंबे समय तक टिके, वास्तविक हो और अमेरिका या उसके सहयोगी देशों की सुरक्षा को नुकसान न पहुंचाए- रूबियो ने यह भी कहा कि अमेरिका चाहता है कि ईरान के साथ होने वाले किसी भी समझौते में उसके सहयोगी देशों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाए। अमेरिका इस समझौते को सफल बनाने के लिए हर संभव कोशिश करेगा।

जिम में एक्सरसाइज करते युवक की मौतःपत्नी के साथ वर्कआउट करते वक्त तबीयत बिगड़ी

मोहाली। मोहाली के जिम में एक्सरसाइज करते हुए चंडीगढ़ के युवक की मौत हो गई। 23 साल का युवक लैग्स की एक्सरसाइज कर रहा था, इसी दौरान वह नीचे गिर पड़ा। जिस वक्त ये घटना हुई, उसकी पत्नी व दोस्त भी उसके साथ ही वर्कआउट कर रहे थे। युवक के नीचे गिरते ही जिम में हड़कंप मच गया।इसके बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की 5 महीने पहले ही शादी हुई थी। पुलिस ने जिम के सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हालांकि इस दर्दनाक घटना को लेकर जिम प्रबंधन कुछ भी कहने से इनकार कर रहा है। जिम पर सवाल उठ रहा है कि इस दौरान वहां कोई ट्रेनर था या नहीं। इस मामले में पुलिस का कहना है कि परिवार के बयान दर्ज कर इस मामले में कार्रवाई की जाएगी। अगर जिम मैनेजमेंट के लेवल पर लापरवाही बरती गई तो उसकी भी जांच की जाएगी। फिलहाल शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर वारिसों के हवाले कर दिया गया है। पत्नी-दोस्त के साथ मोहाली के जिम गया था युवकः पुलिस के मुताबिक चंडीगढ़ के सेक्टर-56 के रहने वाले मुकेश राजपूत मोहाली के फेज-3B2 स्थित जिम में वर्कआउट करने के लिए गए थे।

सरकार ने कहा- पासपोर्ट यात्रा दस्तावेज, नागरिकता का प्रमाण नहीं, कांग्रेस ने पूछा- फिर सबूत क्या है

नयी दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं, ये सिर्फ एक यात्रा दस्तावेज है। 14वीं पासपोर्ट सेवा दिवस सरकार ने कहा कि पासपोर्ट केवल अंतरराष्ट्रीय यात्रा की सुविधा के लिए जारी किया जाता है। इससे पहले एसआईआर से जुड़ी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि आधार कार्ड पहचान का दस्तावेज है, नागरिकता का नहीं। सोशल मीडिया पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि पासपोर्ट एक यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का दस्तावेज नहीं।' तो फिर कौन सा दस्तावेज नागरिकता का सबूत है। वहीं, गीतकार और स्क्रिप्ट राइटर जावेद अख्तर ने पूछा कि जब पासपोर्ट को नागरिकता का 100फीसदी अकेला और अंतिम सबूत नहीं माना जाता, तो ऐसा कानून क्यों लाया जा रहा है। 1. पासपोर्ट क्यो होता है? इसका क्या इस्तेमाल है? पासपोर्ट केंद्र सरकार द्वारा जारी किया गया एक अंतरराष्ट्रीय पहचान पत्र है, जिसका मुख्य इस्तेमाल भारत से बाहर किसी भी देश में यात्रा करने के लिए होता है। विदेश जाने के लिए जरूरी 'वीजा' इसी पर लगता है और दूसरे देश में रहने के दौरान यही आपकी पहचान, नाम और पते का सबसे बड़ा सरकारी सबूत बनता है। आसान शब्दों में कहें तो विदेश में कानूनी एंट्री करने और वहां किसी भी मुसीबत में फंसने पर भारत सरकार से मदद पाने के लिए पासपोर्ट ही सबसे जरूरी दस्तावेज है।2. क्या पासपोर्ट राष्ट्रीयता की पहचान देता है? हां, पासपोर्ट राष्ट्रीय की पहचान देता है। राष्ट्रीयता बताती है कि आप किस देश से संबंध रखते हैं। जबकि नागरिकता बताती है कि उस देश में आपको कौन-कौन से कानूनी अधिकार मिले हैं। राष्ट्रीयता आपकी पहचान होती है। नागरिकता आपके अधिकार और जिम्मेदारियां तय करती है। 3. सरकार ने पासपोर्ट की संख्या को लेकर क्या कहा है? मंत्रालय ने बताया कि पिछले एक दशक में पासपोर्ट सेवा केंद्र और संबंधित सुविधाओं की संख्या 77 से बढ़कर 545 हो गई है। 2025 में शुरू हुए चिप आधारित ई-पासपोर्ट की अब तक 1.47 करोड़ प्रतियां जारी की जा चुकी हैं। आवेदन निपटाने का औसत समय घटकर 5-6 दिन रह गया है। 2019 के 16 देशों के मुकाबले अब 27 देश भारतीयों को वीजा-फ्री प्रवेश देते हैं। 4. क्या भारतीय नागरिकता साबित करने वाला कोई एक दस्तावेज है?नहीं। भारत कोई ऐसा एक दस्तावेज जारी नहीं करता है जो सभी नागरिकों के लिए नागरिकता का अंतिम प्रमाण माना जाए। नागरिकता इस बात पर तय होती है कि इसे कैसे हासिल किया गया और नागरिकता कानून के तहत कौन से रिकॉर्ड मौजूद हैं।5. पहचान पत्र अपने आप नागरिकता साबित क्यों नहीं करते? आधार, वोटर आईडी और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज खास कामों के लिए जारी किए जाते हैं, जैसे पहचान की जांच, चुनाव में रजिस्ट्रेशन या गाड़ी चलाने की अनुमति। इन्हें नागरिकता तय करने के लिए नहीं बनाया गया है, इसलिए इन्हें अपने आप में नागरिकता का पक्का सबूत नहीं माना जाता है। 6. विदेश मंत्रालय ने क्यों कहा कि पासपोर्ट नागरिकता का सबूत नहीं है? विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि पासपोर्ट मुख्य रूप से एक यात्रा दस्तावेज है, जो विदेश में धारक की राष्ट्रीयता को दर्शाता है। कानूनी रूप से नागरिकता 'नागरिकता कानून' के तहत तय होती है, जबकि पासपोर्ट 'पासपोर्ट कानून' के तहत जारी होता है और यह हर परिस्थिति में अपने आप में नागरिकता का अंतिम सबूत नहीं होता है।

बॉयफ्रेंड मेरी ही सहेली को कर रहा डेट, दोनों मिलकर मुझसे खेल रहें, खुद को कैसे समझाऊ

नोएडा। सवाल- मेरी उम्र 20 साल है। मैं 6 महीने से कॉलेज में एक लड़के के साथ रिलेशनशिप में थी। मैंने उसे अपनी एक फ्रेंड से मिलवाया। हम तीनों साथ में कभी-कभी हैंगहाउट करते थे। एग्जाम्स के बाद समर वेकेशन में मैं 2 महीने के लिए पर घर चली गई। जब मैं वापस आई, तो वे दोनों मुझसे ठीक से बात नहीं कर रहे थे। अब पता चला है कि वे दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। मुझे बहुत बुरा लग रहा है और मैं खुद को चीटेड फील कर रही हूं। मैं समझ नहीं पा रही हूं कि इस सिचुएशन को कैसे संभालूं और अपने इमोशन्स से कैसे डील करूं? विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ- जवाब- सवाल पूछने के लिए आपका शक्रिया। 20 साल की उम्र जीवन का वह पड़ाव है, जब भावनाएं काफी तेज होती हैं। आपने बताया है कि बॉयफ्रेंड और दोस्त ने मिलकर आपका दिल तोड़ा है। साइकोलॉजी में इसे 'डबल बिट्रेयल' (दोहरा विश्वासघात) कहते हैं। अभी आपको ये ट्रेजेडी जैसा महसूस हो रहा है, लेकिन विश्वास करिए 10 साल बाद यह घटना एकदम सामान्य लगेगी। चलिए आपकी पूरी सिचुएशन समझते हैं और उसके सॉल्यूशन पर बात करते हैं। 20-25 साल की उम्र एक्सप्लोर करने और अनुभव बटोरने की होती है। इस उम्र में हम रिश्ते, करियर और खुद को समझना शुरू करते हैं। इस दौर में बने रिश्ते अक्सर भावनाओं पर आधारित होते हैं। इसलिए ये बहुत स्थायी नहीं होते हैं। इस घटना को 'ट्रेजेडी' की तरह देखने की बजाय 'लाइफ लेसन' की तरह देखना बेहतर होगा, क्योंकि यही अनुभव आपको आगे बेहतर निर्णय लेने में मदद करेगा। अभी पूरी उम्र और बेहतर संभावनाओं का आसमान आपके सामने खुला है। अपनी भावनाओं को दबाएं नहीं-धोखा मिलने पर दुखी होना, गुस्सा आना या रोना बिल्कुल सामान्य है। खुद को यह कहने की जरूरत नहीं है कि, 'मुझे इतना परेशान नहीं होना चाहिए।' बल्कि खुद से कहें- 'मुझे दुख हो रहा है और यह बिल्कुल सही है।'रोना आए तो रो लें।

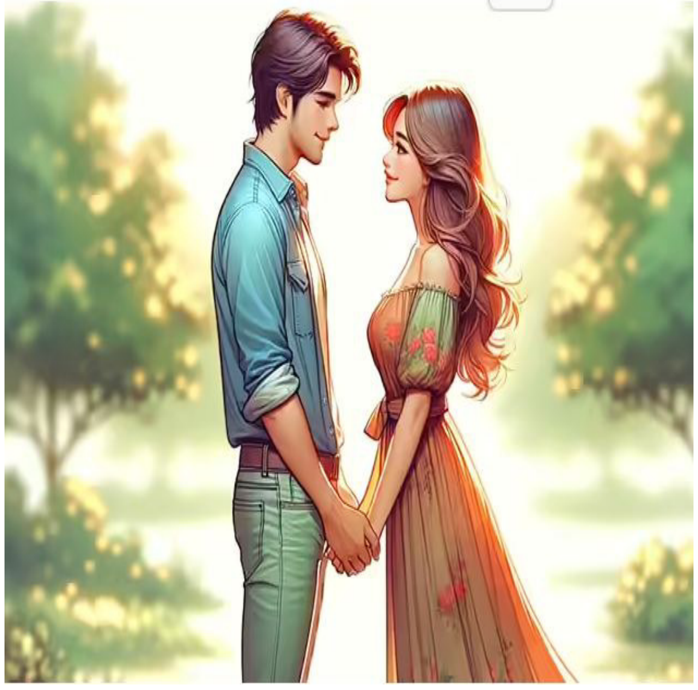

किसी भरोसेमंद दोस्त से बात करें। अपनी भावनाओं को डायरी में लिखें। यही हीलिंग का पहला कदम है। यह एक नई शुरुआत है-अभी आपको लग सकता है कि सब खत्म हो गया, लेकिन सच्चाई इससे अलग है। ब्रेकअप अंत नहीं, प्यार में धोखा मिलने पर लोग अक्सर खुद में कमियां ढूंढने लगते हैं। वह कारण खोजते हैं कि उन्हें धोखा क्यों मिला है। जबकि असल में कमी सामने वाले की नीयत में होती है। इस तरह के इंसिडेंट्स को अनुभव की तरह लेना चाहिए। आगे आसमां और भी है-यह सोचिए कि जो इंसान मात्र 2 महीने आपकी एब्सेंस में आपकी सहेली के साथ रिश्ते में आ गया, क्या वह कभी आपके प्रति सीरियस था? शायद नहीं। इसलिए जो आपका था ही नहीं, उसे खोने का अफसोस ही क्यों करना है। 20 की उम्र जीवन का केवल एक छोटा सा हिस्सा भर है, पूरी फिल्म अभी बाकी है। अपनी नजरें समेटने की बजाय सामने देखिए, अभी पूरा आसमान बाकी है। आपको भविष्य में ऐसे कई सच्चे लोग, वफादार दोस्त और बेहतर रिश्ते मिलेंगे, जो आपकी कद्र करना जानते होंगे। इस एक कड़वे अनुभव को अपनी पूरी जिंदगी न समझें, बल्कि इसे एक नई और बेहतर शुरुआत का मौका मानें। क्या करें? भावुकता से निकलकर अब आपको एक्शन-ओरिएंटेड होना पड़ेगा। जब आप व्यस्त रहेंगी तो इस दुख से उबरने में मदद मिलेगी। करियर और स्किल्स पर ध्यान दें- अपनी पढ़ाई, इंटर्नशिप या किसी नई भाषा/हुनर को सीखने में अपनी पूरी ऊर्जा लगा दें। आपकी सफलता ही आपका सबसे बड़ा बदला होगा। सोशल मीडिया डिटॉक्स- उसे ब्लॉक या अनफॉलो करना कमजोरी नहीं, बल्कि एक तरह से 'मानसिक सुरक्षा' है। इसलिए उसकी लाइफ अपडेट्स देखना बंद करें। नए लोगों से मिलें- अपनी दुनिया को उस एक कॉलेज ग्रुप तक सीमित न रखें। नए क्लब जॉइन करें, वर्कशॉप में जाएं। हॉबीज को समय दें- डांस, पेंटिंग, राइटिंग या स्पोर्ट्स, जो भी आपको खुशी देता है, उसमें भाग लें। इससे आपका 'डोपामाइन' लेवल बढ़ेगा और कॉन्फिडेंस वापस आएगा। हीलिंग पर ध्यान दें-इस दुख से उबरने की यात्रा में आप किसी दिन आप बहुत अच्छा महसूस करेंगी और किसी दिन बहुत तकलीफ भी होगी। यह सामान्य है। बस उस पुराने घाव को बार-बार 'चेक' करके कुरेदना बंद करें। डबल बिट्रेयल से निपटने के 5 गोल्डन रूल-1. खामोशी में ही ताकत है-उसे फोन या मैसेज करके यह न बताएं कि आप कितनी दुखी हैं। भावनाओं को उसके सामने जाहिर करने की बजाय डायरी में लिखें या किसी भरोसेमंद से बांटें। 2. जवाब की उम्मीद छोड़ दें-उससे यह पूछकर वक्त बर्बाद न करें कि ऐसा क्यों किया? सफाई की उम्मीद आपको उसी दुख में अटकाए रखेगी। इसलिए सच को स्वीकार कर आगे बढ़ें। 3. खुद पर विश्वास बनाए रखें- दो गलत लोगों की वजह से खुद को कम न आंकें। याद रखें, आप आज भी उतनी ही अच्छी इंसान हैं। सिर्फ इसलिए कि किसी ने भरोसा तोड़ा, पूरी दुनिया को बुरा न समझें। अच्छे लोग और सच्चे दोस्त अभी भी आपकी लाइफ में आएंगे। 4. कॉलेज में गरिमा रखें-जब भी वे सामने आएं, न गुस्सा करें और न ही रोएं। बस ऐसे रहें जैसे वे कोई अजनबी हों। आपका आत्मविश्वास और आपकी मुस्कान यह साबित करेगी कि आपकी खुशी किसी इंसान की मोहताज नहीं है। 5. खुद को दोष न दें-'मैंने गलत इंसान पर भरोसा क्यों किया' जैसे विचार छोड़ दें। भरोसा करना आपकी अच्छाई थी, कमजोरी नहीं। खुद को माफ करें और खुद से प्यार करें। आप एक नई और खूबसूरत शुरुआत की हकदार हैं। अंतिम सलाह-20 साल की उम्र में दिल टूटने पर ऐसा लगता है जैसे दुनिया रुक गई हो, लेकिन सच ये है कि आपकी कहानी अभी शुरू हुई है। आपको आगे बेहतर लोग, बेहतर रिश्ते और ढेर सारी खुशियां मिलेंगी।

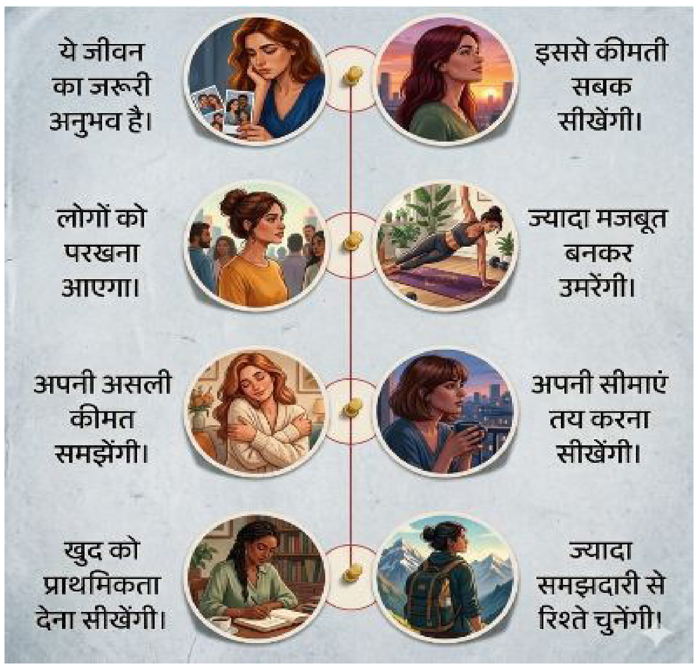

सामंथा रुथप्रभू ने कन्फर्म की प्रेग्नेंसी,6 महीने पहले की राज निदिमोरू से शादी, मेटरनिटी ब्रेक लेंगी

चेन्नई। साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथप्रभू ने बुधवार को एक इवेंट में प्रेग्नेंसी की खबरों पर कन्फर्मेशन दे दी है। एक इवेंट में टी-शर्ट पहनने से दिखे बेबी बंप के बाद से ही एक्ट्रेस के प्रेग्नेंट होने की खबरें थीं। एक्ट्रेस ने अब बताया है कि वो मदरहुड के लिए फिल्मों से ब्रेक भी लेने वाली हैं। सामंथा रुथप्रभू बुधवार को हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म मां इंती बंगारम के सक्सेस मीट में पति राज निदिमोरू के साथ पहुंची थीं। इवेंट में मीडिया से बातचीत करते हुए सामंथा ने प्रेग्नेंसी कन्फर्म करते हुए कहा, 'मां इंती बंगारम के बाद मैं अपनी कंडीशन को देखते हुए एक छोटा सा ब्रेक लूंगी। मुझे मेटरनिटी लीव लेनी ही पड़ेगी। इसके बाद मैं अपने फैंस के लिए एक और फिल्म के साथ वापसी करूंगी।' टी-शर्ट में बेबी बंप दिखने से हुआ प्रेग्नेंसी का खुलासाः-सामंथा रुथप्रभू की फिल्म मां इंती बंगारम 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म को दर्शकों की काफी सराहना मिल रही है। फिल्म की सक्सेस का जश्न मनाने के लिए हाल ही में सामंथा एक फैन मीट-अप का हिस्सा बनी थीं, जहां उन्होंने व्हाइट टी-शर्ट के साथ डेनिम पेयर किया था। इवेंट से बाहर आते हुए हर किसी की नजर उनके बेबी बंप पर थी, जो फिटेड टी-शर्ट में साफ नजर आ रहा था।

6 महीने पहले की राज निदिमोरू से शादीः-सामंथा रुथप्रभू ने 1 दिसंबर 2025 में द फैमिली मैन डायरेक्टर राज निदिमोरू से शादी की है। ये एक प्राइवेट वेडिंग थी, जिसमें सामंथा-राज के करीबी रिश्तेदार और दोस्त ही शामिल हुए थे। कपल ने सदगुरु के ईशा फाउंडेशन के लिंगा भैरवी मंदिर में प्राचीन योगिक परंपरा से भूत शुद्धि विवाह किया था। सामंथा रुथप्रभू ने शादी की तस्वीरें पोस्ट कर आधिकारिक घोषणा की थी। उन्होंने तस्वीरों के साथ लिखा था- '01.12.2025।' सामंथा रुथप्रभू और राज निदिमोरू ने पॉपुलर सीरीज द फैमिली के दूसरे सीजन में साथ काम किया था। जिसे राज निदिमोरू और डीके ने मिलकर बनाया था। कौन हैं राज निदिमोरू? 50 साल के राज निदिमोरू, फिल्ममेकर हैं। उनकी और डीके (कृष्णा दसराकोठापल्ली) की फिल्ममेकर जोड़ी फिल्म इंडस्ट्री में काफी पॉपुलर है। दोनों ने यूके से सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग करने के बाद 2002 की फिल्म शादी डॉट कॉम से साथ में फिल्म इंडस्ट्री में करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद दोनों ने साल 2003 से स्वतंत्र फिल्ममेकर के तौर पर फिल्म 99 लिखी, प्रोड्यूस की और डायरेक्ट की। इसके बाद दोनों ने शोर इन द सिटी, गो गोवा गोन, हैप्पी एंडिंग, ए जेंटलमैन जैसी फिल्में लिखने के साथ-साथ इनका निर्देशन भी किया। साल 2019 से राज और डीके ने ओटीटी में कदम रखा और मनोज बाजपेयी स्टारर सीरीज द फैमिली मैन डायरेक्ट-प्रोड्यूसर की। आगे उन्होंने फर्जी, सिटाडेल और गन्स और गुलाब जैसी सीरीज बनाईं। राज और डीके की जोड़ी ने ही श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर फिल्म स्त्री लिखी और प्रोड्यूस की है। 2021 में सामंथा ने लिया था नागा चैतन्य से तलाकः-सामंथा रुथप्रभू और नागा चैतन्य फिल्म ये माया चेसावे में साथ नजर आए थे। इस फिल्म के सेट पर दोनों एक दूसरे को पसंद करने लगे और रिलेशनशिप में आ गए। 7 सालों तक रिलेशनशिप में रहने के बाद सामंथा ने साउथ स्टार नागा चैतन्य से साल 2017 में शादी की थी। दोनों की शादी हिंदू और क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से हुई थी।

करिश्मा कपूर हुई 52 की, जया बच्चन ने सरेआम बहू कहा,कपूर खानदान की पहली एक्ट्रेस, हनीमून पर पति ने दोस्तों के साथ सोने को कहा

मुंबई। 90 के दशक में बॉलीवुड पर राज करने वालीं करिश्मा कपूर आज 52 साल की हो चुकी हैं। 65 से ज्यादा फिल्मों और अनगिनत

हिट्स के दम पर सुपरस्टार बनीं करिश्मा को कपूर खानदान की रीत बदलने का क्रेडिट भी दिया जाता है। उनसे पहले कपूर खानदान की महिलाओं पर फिल्मों से जुड़ने पर पाबंदी थी।करिश्मा की कहानी सिर्फ स्टारडम की नहीं, बल्कि अधूरे रिश्तों और विवादों की भी है। कभी अक्षय खन्ना उनसे शादी करना चाहते थे। उनके पिता विनोद खन्ना ने रिश्ता भी भिजवाया, लेकिन करिश्मा की मां बबीता ने रिश्ता ठुकरा दिया। कहा जाता है कि यही वजह है कि अक्षय ने कभी शादी नहीं की।आगे अभिषेक से उनकी शादी तय हुई और जया बच्चन ने सार्वजनिक मंच पर उन्हें बहू कहकर मीडिया के सामने इंट्रोड्यूस किया, लेकिन ये शादी भी चर्चा में रहने के बावजूद टूट गई।करिश्मा ने 2003 में बचपन के दोस्त संजय कपूर से शादी की। हालांकि बाद में ये शादी विवादों में बदल गई। करिश्मा ने दावा किया कि हनीमून में पति संजय ने दोस्तों से उनकी बोली लगवाई। करिश्मा ने मारपीट, दहेज प्रताड़ना और टॉर्चर का आरोप लगाते हुए पति से तलाक लिया, लेकिन पूर्व पति की मौत के बाद ये रिश्ता फिर चर्चा में आ गया और आज भी उनकी 32000 करोड़ की प्रॉपर्टी पर कानूनी विवाद जारी है। 25 जून 1974 को करिश्मा कपूर का जन्म हिंदी सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित परिवार के एक्टर रणधीर कपूर और एक्ट्रेस बबीता के घर हुआ। उनकी पैदाइश पर पूरा कपूर खानदान ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल पहुंचा, लेकिन दादा शो मैन राज कपूर नहीं आए। उन्होंने साफ कहा, 'बच्ची को देखने तब ही जाऊंगा, जब उसकी आंखें नीली हों।'खुशकिस्मती से करिश्मा की आंखें गहरी नीली रहीं, हूबहू दादाजी की तरह। घर की पहली बेटी होने पर वो पूरे परिवार की चहेती रहीं। एक समय में उनकी मां बबीता, जानी-मानी एक्ट्रेस थीं, जिन्होंने कपूर खानदान की बहू बनने के लिए एक्टिंग करियर कुर्बान कर दिया। शादी से कुछ समय पहले उन्होंने 1968 की फिल्म हसीना मान जाएगी में काम किया था। इस फिल्म की शूटिंग, बॉम्बे के बिजनेस टायकून रौनक सिंह के घर में हुई। घर में शूटिंग करते हुए बबीता की दोस्ती रौनक सिंह की बेटी रानी सिंह (बाद में कपूर) से हुई, जो आगे चलकर करिश्मा की सास बनीं। रानी उस वक्त महज 18 साल की थीं। आगे रानी सिंह ने ऑटो पार्ट के नामी बिजनेसमैन सुरिंदर कपूर से शादी की, जिससे उन्हें बेटा संजय कपूर हुआ। समय के साथ बबीता और रानी की दोस्ती गहरी होती रही। वो अक्सर साथ पार्टी करते थे, जिससे बच्चों करिश्मा, करीना, संजय और उनकी बहनों की दोस्ती भी गहरी हुई।करिश्मा कपूर ने मुंबई के कैथेड्रेल एंड जॉन केनन स्कूल से पढ़ाई की। संजय कपूर ने शुरुआत में देहरादून के दून स्कूल से पढ़ाई की लेकिन कुछ सालों में ही उनका दाखिला करिश्मा के स्कूल में करवा दिया गया। दोनों की दोस्ती और बढ़ गई। स्कूलिंग के बाद संजय कपूर पढ़ाई करने विदेश चले गए और करिश्मा की रुचि फिल्मों में बढ़ने लगी और इस तरह दोनों की दोस्ती में दूरी आ गई। दोनों अपनी-अपनी दुनिया में व्यस्त होते चले गए।फिल्मी दुनिया हमेशा से ही करिश्मा को अट्रैक्ट करती थी। बचपन से ही वो दादाजी राज कपूर और पिता रणधीर के फिल्मों के सेट पर जाया करती थीं। वो अक्सर दादाजी से कहती थीं, 'मैं भी एक दिन हीरोइन बनूंगी', इस पर राज कपूर उन्हें जवाब देते थे- 'एक्टर बनना कोई आसान काम नहीं है, अगर तुम एक्टर बनना चाहती हो, तो कांटों पर चलो और मिट्टी पर काम करो ताकि अच्छी एक्टर बन सको। एक्टर को हमेशा बेस्ट बनने का लक्ष्य रखना चाहिए।'जब एक दिन करिश्मा ने पिता रणधीर से कहा कि उन्हें हीरोइन बनना है, तो पिता ने साफ इनकार कर दिया कि कपूर खानदान की लड़कियां एक्टिंग नहीं करेंगी। लेकिन उनकी मां बबीता उनके सपोर्ट में थीं। ये वो दौर था, जब फिल्में न चलने से परेशान होकर वो काफी ज्यादा शराब पीने लगे थे। इससे उनके और बबीता के रिश्ते में भी अनबन चल रही थीं। फिर एक समय ऐसा आया, जब करिश्मा के करियर को सपोर्ट करते हुए बबीता ने 1987 में रणधीर का घर छोड़ दिया। राज कपूर की पोती होने के चलते उन्हें बिना संघर्ष फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। 16 की उम्र में उन्होंने एक साथ कई फिल्में साइन कीं। सबसे पहले करिश्मा ने फिल्म निश्चय शूट की, जिसके लिए न उन्हें ऑडिशन देना पड़ा, न ही उनका स्क्रीन टेस्ट लिया गया। हालांकि इस फिल्म से पहले ही उनकी दूसरी फिल्म प्रेम कैदी (1991) रिलीज हो गई। पहली ही फिल्म में करिश्मा ने स्विमसूट पहना, जिससे अंकल ऋषि कपूर काफी नाराज हुए थे। फिल्म एवरेज रही, लेकिन इसके बाद करिश्मा को बैक-टु-बैक कई फिल्में मिलने लगीं। 1992 में उनकी एक साथ 6 फिल्में पुलिस ऑफिसर, जागृति, निश्चय, सपने साजन के,

दीदार और जिगर रिलीज हुईं। हालांकि उन्हें बड़ी सफलता 1993 की फिल्म अनाड़ी से मिली। 1994 में उनकी 10 फिल्में रिलीज हुईं, जिनमें से गोपी किशन, राजा बाबू, खुद्दार, अंदाज अपना-अपना जबरदस्त हिट रहीं। आगे साजन चले ससुराल, कृष्णा, जीत, राजा हिंदुस्तानी जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों से करिश्मा स्टार बनीं और उनकी गिनती बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में होने लगी। इसी समय उनका नाम अजय देवगन से जुड़ा, लेकिन जल्द ही दोनों अलग भी हो गए। फिल्मी गलियारों में चर्चा रही कि रवीना टंडन के चलते रिश्ते में दरार आई और यही वजह रही कि करिश्मा और रवीना के फिल्मों के सेट पर अनबन और झगड़े बढ़ने लगे। पिता चाहते थे अक्षय खन्ना से हो करिश्मा की शादीः- करिश्मा कपूर करियर के पीक पर थीं, जब उनके पिता रणधीर कपूर ने दोस्त विनोद खन्ना से कहा था कि वो चाहते हैं कि करिश्मा की शादी उनके बेटे अक्षय खन्ना से हो। विनोद खन्ना भी इस पर विचार कर रहे थे कि तभी बबीता ने इससे साफ इनकार कर दिया। अभिषेक बच्चन को जीजू कहती थीं करीना कपूरः-कपूर और बच्चन परिवार हमेशा से ही करीबी रहा है। दरअसल, अमिताभ बच्चन की बेटी और अभिषेक बच्चन की बहन श्वेता की शादी, करिश्मा कपूर की बुआ ऋतु नंदा के बेटे निखिल नंदा से हुई। श्वेता-निखिल की शादी के कुछ समय बाद ही करिश्मा कपूर और अभिषेक की दोस्ती बढ़ गई और दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे। तब अभिषेक फिल्मों में नहीं आए थे। दोनों परिवारों को भी इस रिश्ते से ऐतराज नहीं था। दोनों रिलेशनशिप में थे, जब अभिषेक को करिश्मा की बहन करीना के साथ डेब्यू फिल्म रिफ्यूजी मिल गई। सेट पर करीना अभिषेक को जीजू बुलाया करती थीं। दोनों के फिल्म में कुछ रोमांटिक सीन भी थे, लेकिन करीना ने इससे इंकार कर दिया और कहा कि वो अभिषेक को भाई मानती हैं। साल 2002 में अभिषेक बच्चन और करिश्मा कपूर की सगाई हुई। अमिताभ बच्चन ने 60वें बर्थडे के मौके पर अपनी बुक लॉन्च की। इस इवेंट में उनके साथ पत्नी जया बच्चन और अभिषेक बच्चन भी मंच पर मौजूद थे, तभी जया बच्चन ने माइक पर कहा- 'आज हमारे बच्चन और नंदा परिवार के ग्रुप में एक और परिवार जुड़ रहा है, वह है कपूर परिवार। रणधीर कपूर और बबीता कपूर और मेरी होने वाली बहू करिश्मा कपूर। अभिषेक ने अपने पिता के 60वें जन्मदिन पर हमें यह खूबसूरत तोहफा दिया है।' करिश्मा कपूर शर्माती हुईं मंच पर पहुंचीं और बच्चन परिवार के साथ तस्वीरें क्लिक करवाईं। खबर काफी चर्चा में रहीं। अभिषेक बच्चन की पहली फिल्म रिफ्यूजी एवरेज रही। आगे उनकी फिल्में ढाई अक्षर प्रेम के, तेरा जादू चल गया, ओम जय जगदीश जैसी फिल्में भी फ्लॉप रहीं। करिश्मा की मां बबीता अभिषेक के फ्लॉप करियर से झिझकने लगीं। और फिर जब इसी समय जया बच्चन ने शर्त रखी कि करिश्मा को शादी के बाद फिल्मों में काम करना बंद करना होगा। बबीता इसके लिए हरगिज राजी नहीं थीं। उन्होंने ये रिश्ता तोड़ दिया।मां के कहने पर की बचपन के दोस्त संजय कपूर से शादीः-अभिषेक से शादी टूटी ही थी कि करिश्मा का करियर भी अनस्टेबल होने लगा। 2002 में आईं उनकी फिल्में शक्ति और रिश्ते बॉक्स ऑफिस पर एवरेज रहीं। इसी समय उनकी जिंदगी में फिर एक बार बचपन के दोस्त संजय कपूर आए। संजय की शादी 1996 में फैशन डिजाइनर नंदिता मेहतानी से हुई थी, लेकिन 2000 में उनका तलाक हो गया। एक बार दोनों की मुलाकात एक फैमिली वेडिंग में हुई। सालों बाद हुई ये मुलाकात से बचपन की यादें ताजा हो गईं। दोनों की फिर कुछ मुलाकातें हुईं और बबीता कपूर ने जल्द ही रानी कपूर से मिलकर दोनों की शादी तय कर दी।करिश्मा ने कहा था- उतार-चढ़ाव के बाद मेरे पेरेंट्स जाते थे मैं शादी कर घर बसा लूं-शादी से ठीक पहले जर्नलिस्ट सुभाष के.झा को दिए इंटरव्यू में करिश्मा ने कहा था, 'मैं और संजय बचपन से एक-दूसरे को जानते हैं। कई साल बीत गए। हम बड़े हो गए और जिंदगी आगे बढ़ती रही। वह अपने बिजनेस में व्यस्त हो गए और मैंने फिल्मों में करियर बनाया। लेकिन शायद किस्मत में जो लिखा होता है, वही होता है। पिछले कुछ समय में मैंने जिंदगी में काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं। ऐसे में मेरे माता-पिता काफी समय से चाहते थे कि मैं शादी करके अपना घर बसा लूं। अब मुझे आखिरकार वह इंसान मिल गया है, जो मेरे लिए बिल्कुल सही है।' 29 सितंबर 2003 में करिश्मा कपूर और संजय कपूर की शादी हुई। पंजाबी रीति-रिवाजों से ये शादी धूमधाम से कृष्णा राज बंगले में हुई, जिसमें इंडस्ट्री के तमाम लोग शामिल रहे। शादी के तुरंत बाद अचानक करिश्मा कपूर ने इंडस्ट्री से दूरी बना लीं। 2 साल बाद 2005 में करिश्मा ने बेटी समायरा और 2010 में बेटे कियान को जन्म दिया। लेकिन फिर कुछ समय में ही दोनों के रिश्ते में दरार आ गई।करिश्मा का दावा-हनीमून पर पति ने लगवाई बोली-करिश्मा ने शादी के बाद से ही लो प्रोफाइल रखी, लेकिन 2014 में उनकी शादी एक स्कैंडल बन गई। करिश्मा ने खार पुलिस स्टेशन में पति संजय और सास सीमा के खिलाफ घरेलू हिंसा, मारपीट के आरोप में भारतीय दंड संहिता की धारा 498 और धारा 34 के तहत शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस को दिए बयान में करिश्मा ने कहा कि उनके पति उन्हें सालों से मानसिक तौर पर प्रताड़ित कर रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा कि शादी के ठीक बाद हनीमून पर संजय ने अपने दोस्तों से उनकी बोली लगाने को कहा और उनके साथ समय बिताने का दबाव बनाया। विरोध करने पर संजय ने हाथ भी उठाया। शिकायत में करिश्मा ने सास पर आरोप लगाते हुए कहा कि शादी के बाद सास सीमा कपूर ने उन्हें एक ड्रेस दी थी। संजय ने प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें वो ड्रेस पहनने को कहा, लेकिन जब वो फिट नहीं आई तो संजय ने अपनी मां से उन्हें थप्पड़ मारने को कहा। विवाद के बीच करिश्मा परिवार को छोड़कर खार स्थित घर में रहने लगीं, जो संजय कपूर के पिता सुरिंदर के नाम था। ये केस चल ही रहा था कि करिश्मा ने बांद्रा फैमिली कोर्ट में घरेलु हिंसा अधिनियम 2005 की धारा 19 के तहत एक और केस दर्ज करवाया। वकील संजोग परब ने मीडिया को दिए बयान में कहा था, इस मामले में करिश्मा की सबसे बड़ी चिंता उनके बच्चे हैं। याचिका में मांग की गई थी कि अगली सुनवाई तक बच्चों को मुंबई की सीमा से बाहर न ले जाया जाए।करिश्मा के वकील ने यह भी स्पष्ट किया था कि उन्होंने अपने लिए किसी तरह की आर्थिक सहायता की मांग नहीं की है। उनकी ओर से सिर्फ बच्चों के पालन-पोषण के लिए हर महीने 10 लाख रुपए की मांग की गई और कहा कि संजय हर महीने बच्चों को डेढ़ लाख दे रहे थे, जो अब उन्होंने बंद कर दिया है।याचिका में ये भी दावा किया गया कि संजय कपूर का दूसरी महिला से अफेयर है और वो बच्चों को भी उस महिला के साथ रखते हैं। विवाद के बीच संजय की तरफ से कहा गया कि अभिषेक से सगाई टूटने के बाद करिश्मा ने उनसे पैसों और रेपुटेशन के लिए शादी की थी।रणधीर कपूर ने कहा था- वो थर्ड क्लास आदमी है, कभी नहीं चाहता था शादी हो-संजय के इस बयान पर 2016 में रणधीर कपूर ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा, 'संजय एक थर्ड क्लास आदमी है। हर कोई जानता है कि हमारा परिवार क्या है। हम कपूर हैं और हमें किसी के पैसों के पीछे भागने की जरुरत नहीं है। भगवान ने हमें सिर्फ दौलत ही नहीं, बल्कि टैलेंट भी दिया है, जिसके सहारे हम पूरी जिंदगी आराम से जी सकते हैं।' उन्होंने आगे कहा था, 'मैं कभी नहीं चाहता था कि करिश्मा की शादी संजय से हो। उसने अपनी पत्नी की कभी परवाह नहीं की। वह करिश्मा के साथ गलत व्यवहार करता रहा और दूसरी महिला के साथ रह रहा था। दिल्ली में हर कोई जानता है कि वह कैसा इंसान है। इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कहना चाहता।'तलाक के लिए रखी गईं कई शर्तें- 2016 में संजय कपूर और करिश्मा का तलाक हुआ और बच्चों की कस्टडी करिश्मा को मिली। तलाक के लिए कुछ शर्तें रखी गई थीं, जिनमें कहा गया था कि संजय कपूर बच्चों का पूरा खर्च उठाएंगे। बच्चों की पढ़ाई का पूरा खर्च भी संजय की जिम्मेदारी होगी। संजय जब चाहें बच्चों से मिल सकते हैं। डीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, करिश्मा कपूर को एलीमनी के लिए 70 करोड़ रुपए दिए गए थे। करिश्मा से तलाक के बाद संजय कपूर ने 2017 में प्रिया सचदेवा से तीसरी शादी की। प्रिया तलाकशुदा थीं जिन्हें पहली शादी से एक बेटी थी। संजय कपूर ने उन्हें भी अपनाया। कुछ सालों बाद प्रिया ने संजय के बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम अजारियस रखा गया। वहीं दूसरी तरफ करिश्मा ने 2020 में ओटीटी प्लेटफॉर्म की सीरीज मेंटलहुट से एक्टिंग कमबैक किया। करिश्मा के बच्चे अक्सर पिता संजय कपूर से मिलते रहते थे और उनके परिवार के साथ समय बिताते थे। करिश्मा को भी कई मौकों पर पूर्व पति के साथ स्पॉट किया गया था। दोनों ही अपनी-अपनी जिंदगियों में व्यस्त थे कि 12 जून 2025 में अचानक दिल का दौरा पड़ने से संजय कपूर का इंग्लैंड में निधन हो गया।करिश्मा कपूर बच्चों और बहन के साथ संजय कपूर के अंतिम संस्कार में शामिल हुई थीं। 32000 करोड़ की संपत्ति पर विवाद जारी संजय कपूर के निधन के कुछ समय बाद ही उनकी 32000 करोड़ की संपत्ति पर विवाद शुरू हो गया। संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया कपूर ने मार्च 2025 की एक वसीयत पेश की, जिसमें दावा किया गया कि संजय ने अपनी पूरी संपत्ति उनके नाम कर दी थी। हालांकि, इस वसीयत को संजय कपूर की मां रानी कपूर और करिश्मा कपूर से हुए उनके दोनों बच्चों ने चुनौती दी। उनका आरोप है कि यह वसीयत फर्जी है। उसमें उनके नाम की स्पेलिंग तक लिखी गई है, जो उनके पिता कभी नहीं करते।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।